THE DATA STREET

वर्ष - 01, अंक - 03, फरवरी, 2023

द डाटा स्ट्रीट

मूल्य 30 रुपये

हिन्दी मासिक पत्रिका

भारत जोड़ो यात्रा से राहुल की छवि बदली

संपादकीय,

संपादकीय

2023 में होने जा रहे 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव 2024 के लोकसभा चुनाव का सेमी-फाइनल होगा। इन 9 राज्यों में 116 लोकसभा और 1083 विधानसभा सीटें आती हैं। चुनाव देश के जिन 9 राज्यों में नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम-पूर्वी भारत, तेलंगाना, कर्नाटक-दक्षिण भारत, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़-मध्य भारत के प्रमुख हिंदी भाषी राज्य हैं। इसलिए 9 राज्यों के चुनाव परिणाम पूरे देश का एक आईना 2024 के लिए होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चुनाव प्रबंधन के मुखिया गृह मंत्री भारत सरकार अमित शाह इसलिए छोटे राज्य से लेकर बड़े राज्यों में चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत लगाएं हैं। तीन राज्यों के नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा के चुनाव घोषित हो चुके हैं। फरवरी में मतदान और 2 मार्च को चुनाव परिणाम आएंगे। पूर्वी भारत के तीनों राज्य छोटे राज्य है और इनमें मात्र 5 लोकसभा सीटें आती हैं। प्रत्येक राज्य में 60-60 विधानसभा सीटें हैं। इन छोटे राज्यों के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा और असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वकर्मा की 20 से अधिक जनसभाएं हो चुकी हैं। इनमें त्रिपुरा सबसे अहम् है जहाँ पर 30 वर्षों से जमे वाम दलों को हटा कर भाजपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। इस बार भी त्रिपुरा पर जीत के लिए हर चुनावी हथकण्डे अपना रहे हैं।

दक्षिण में कर्नाटक और तेलंगाना जहाँ पर 45 लोकसभा सीटें हैं। यह राज्य भाजपा के लिए बहुत अहम् है। कर्नाटक में राहुल गाँधी की भारत जोड़ों यात्रा में बहुत ज्यादा समर्थन मिलना भी भाजपा के लिए चिंता का विषय है। कर्नाटक राज्य राजनीतिक दलों के लिए आर्थिक रूप से काफी अहम माना जाता है। अगर कर्नाटक में भाजपा की सरकार नहीं बनती तो दक्षिण भारत में भाजपा के बड़ा झटका होगा। तेलंगाना जहाँ भाजपा को संभावनाएं दिख रही है। इसके लिए प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, नड्डा लगातार रैलियां कर रहे हैं। कर्नाटक में मई में चुनाव होंगे क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ इन तीन राज्यों में 65 लोकसभा सीटें आती हैं। 2018 में इन तीनों हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस चुनाव जीती थी और सरकार बनाई थी। इसमें मध्य प्रदेश में जोड़-तोड़ करके कांग्रेस की सरकार को गिराया और भाजपा के शिवराज सिंह मुख्यमंत्री हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तमाम प्रयासों के बाद भी अशोक गहलोत और भूपेश बघेल जैसे मुख्यमंत्री को भाजपा मध्य प्रदेश की तरह नहीं हटा पायी। कांग्रेस के यही दो मुख्यमंत्री पार्टी के कार्यक्रम और अन्य राज्यों के चुनाव में आर्थिक से लेकर हर तरह की मदद करते है।

द डाटा स्ट्रीट

हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष - 01, अंक - 03, फरवरी, 2023

संरक्षक –
जस्टिस आर एन पाण्डेय
(पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद)

सम्पादक - राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी
स्थानीय संपादक - विजय शंकर पंकज
समाचार संपादक - सुजीत श्रीवास्तव
स्टेट ब्यूरो यू पी - अमन सिन्हा
ब्यूरो चीफ - रोहित सिंह
यूपी-उत्तराखण्ड प्रभारी - जीतेन्द्र सिंह चौहान
दिल्ली ब्यूरो - अतुल कुमार
कोलकाता ब्यूरो - सुशांतो बनर्जी
चेन्नई ब्यूरो - कुमार देवेश
देहरादून ब्यूरो - पूजा बिष्ट
हैदराबाद ब्यूरो - इरफान
अहमदाबाद ब्यूरो - मोहित जडेजा
गुवाहाटी ब्यूरो - देवास्वरूप बरूआ
विधि सलाहकार - संतोष शुक्ल (अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ बेच)
ग्राफिक्स एवं डिजाइन - बसंत चौहान

कार्यालय: डी– 1/132, विराज खण्ड, गोमती नगर,
लखनऊ 226010 मोबाइल: 9415020028
ईमेल – uridmedia24@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी
द्वारा स्वास्तिक प्रिन्टिंग प्रेस 27 माई की बगिया बड़ा
चांदगंज लखनऊ उ0 प्र0– 24 से मुद्रित
डी–1/132, विराज खण्ड, गोमती नगर लखनऊ,
यू0पी0–226010 से प्रकाशित

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पी0 आर0 बी0 अधिनियम 1867 की धारा 7 के अन्तर्गत
पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेखों की जिम्मेदारी सम्पादक की होगी।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

विषय सूची

भारत जोड़ो यात्रा से राहुल की छवि बदली............... 05
- रैली में किसने क्या कहा
- राहुल के स्पीच की बड़ी बातें

हिंडनबर्गरिपोर्ट ने अडानी को आईना दिखाया......... 11
- अडाणी ग्रुप की कंपनियों पर बड़ा कर्ज
- अडाणी ग्रुप बोला-हिंडनबर्ग रिपोर्ट भारत पर हमला
- हिंडनबर्ग ने उठाए गंभीर सवाल

2023 विधानसभा चुनाव- त्रिपुरा आदिवासी राजा प्रद्योत माणिक्य देववर्मन होंगे त्रिपुरा के किंगमेकर 30
- 2023 विधानसभा चुनाव की चुनौती
- विधानसभा चुनाव 2018 भाजपा के जीत कारण

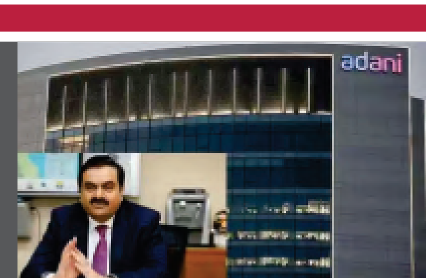

पिछले ढ़ाई दशक से हम डाटा, सर्वे एवं चुनाव अभियान से जुड़े कार्य कर रहे हैं। पोर्टल के माध्यम से निरंतर डाटा से जुड़ी खबरें एवं जानकारी दी जाती रही हैं। विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव परिणाम की विश्लेषणात्मक पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। 'द डाटा स्ट्रीट' पत्रिका में समाज से जुड़ी विभिन्न खबरें, चुनाव विश्लेषण व केंद्र एवं प्रदेश सरकार के योजनाओं की जमीनी हकीकत, डाटा आधारित जानकारी दी जाएगी। पत्रिका एवं पोर्टल दोनों डाटा आधारित होंगे।

भारत जोड़ो यात्रा से राहुल की छवि बदली

□ सुजीत श्रीवास्तव

भारी बर्फबारी के बीच राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को श्रीनगर में खत्म हो गई। यह 145 दिन पहले 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। राहुल ने क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में 35 मिनट लंबी स्पीच दी। दो बार मोदी, अमित शाह और RSS का जिक्र किया और भाजपा पर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'मैं अब जम्मू-कश्मीर के लोगों से और सेना-सुरक्षा बलों से कुछ कहना चाहता हूं। मैं हिंसा को समझता हूं। मैंने हिंसा सही है, देखी है। जिसने हिंसा नहीं देखी है, उसे यह बात समझ नहीं आएगी। जैसे मोदीजी हैं, अमित शाहजी हैं, संघ के लोग हैं, उन्होंने हिंसा नहीं देखी है। डरते हैं। यहां पर हम 4 दिन पैदल चले। गारंटी देता हूं कि भाजपा का कोई नेता ऐसे नहीं चल सकता है। इसलिए नहीं कि जम्मू-कश्मीर के लोग उन्हें चलने नहीं देंगे, इसलिए क्योंकि वे डरते हैं। कश्मीरियों और फौजियों की तरह मैंने अपनों को खोने का दर्द सहा है। मोदी-शाह यह दर्द नहीं समझ सकते।'

भारी बर्फबारी के बीच कार्यकर्ता जमा रहे

श्रीनगर में सुबह से भारी बर्फबारी हुई। इसके बाद भी कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। सुबह से कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई। उधर, राहुल यहां भी अलग रंग में दिखे। उन्होंने बहन

भारी बर्फबारी के बीच कांग्रेस की रैली में शामिल हुए लोग

राहुल गांधी ने कि कहा 'मैं अब जम्मू-कश्मीर के लोगों से और सेना-सुरक्षा बलों से कुछ कहना चाहता हूं। मैं हिंसा को समझता हूं। मैंने हिंसा सही है, देखी है। जिसने हिंसा नहीं देखी है, उसे यह बात समझ नहीं आएगी। जैसे मोदीजी हैं, अमित शाहजी हैं, संघ के लोग हैं, उन्होंने हिंसा नहीं देखी है। डरते हैं। यहां पर हम 4 दिन पैदल चले। गारंटी देता हूं कि भाजपा का कोई नेता ऐसे नहीं चल सकता है।

प्रियंका के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाया। दोनों एक-दूसरे पर बर्फ उछालते नजर आए।

राहुल के स्पीच की बड़ी बातें-

- **मुझे थोड़ा अहंकार था, उतर गया:** मैं कन्याकुमारी से चला था। पूरे देश में चले हम लोग। सच बताऊं कि मुझे लगा कन्याकुमारी से कश्मीर चलने में मुश्किल नहीं होगी। फिजकली ये काम मुश्किल नहीं होगा। ये मैंने सोचा था। शायद मैं काफी वर्जिश करता हूं, थोड़ा सा अहंकार आ गया, जैसे आ जाता है। मगर फिर बात बदल गई। 5-7 दिन चलने के बाद जबरदस्त प्रॉब्लम हुई थी। थोड़ा अहंकार उतर गया, मैं सोचने लगा कि जो 3500 किलोमीटर हैं, उन्हें चल पाऊंगा कि नहीं। मुझे जो आसान काम लगा, वो काफी मुश्किल हो गया। किसी न किसी तरह से मैंने ये काम पूरा कर लिया।
- **एक व्यक्ति ने कहा- ये बच्चे गंदे हैं, मैंने कहा-हमसे ज्यादा साफ हैं:** 'यात्रा मैं चल रहा था, 4 बच्चे आए। ये भीख मांगते थे, उनके पास कपड़े नहीं थे। मजदूरी करते थे तो मिट्टी थी। मैं उनके गले लगा, घुटनों पर जाकर पकड़ा। मेरे साथ चल रहे एक व्यक्ति ने बोला कि ये बच्चे गंदे हैं, इनके पास नहीं जाना चाहिए। मैंने उनसे कहा कि बच्चे आपसे और मुझसे ज्यादा साफ हैं।
- **इस टी-शर्ट का रंग, लाल कर दो:** मैं जम्मू से कश्मीर जा रहा था तब मेरी सुरक्षा की बात हो रही थी। मुझसे कहा गया कि पैदल चलने पर आप पर ग्रेनेड फेंका जाएगा। मैंने कहा 4 दिन चलूंगा, बदल दो इस टी-शर्ट का रंग, लाल कर दो। देखी जाएगी। मगर जो मैंने सोचा था, वही हुआ। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने मुझे हैंड ग्रेनेड नहीं दिया, अपने दिल खोलकर प्यार दिया। गले लगे। मुझे खुशी हुई कि उन सबने मुझे अपना माना। प्यार से बच्चों ने, बुजुर्गों ने आंसुओं से मेरा यहां स्वागत किया। मैं अब जम्मू-कश्मीर के लोगों से और सेना-सुरक्षाबलों से कुछ कहना चाहता हूं। देखिए मैं हिंसा को समझता हूं।
- **मैंने वो जगह देखी, जहां दादी को गोली मारी थी:** 14 साल का था। जो मैं अभी कह रहा हूं, ये बात

प्रधानमंत्री और अमित शाह जी को नहीं समझ आएगी। ये बात कश्मीर को समझ आएगी, CRPF और आर्मी के परिवारवालों को समझ आएगी। उन्होंने मुझे कहा कि दादी को गोली लग गई। फिर मुझे गाड़ी में वापस ले गए, मुझे स्कूल से उठाया। फिर मैंने वो जगह देखी जहां मेरी दादी का खून था। पापा आए, मां आई। मां हिल गई थी, बोल नहीं पा रही थी। जो हिंसा करवाता है, मोदीजी हैं, अमित शाहजी हैं, अजित डोभाल जी हैं... वो दर्द को समझ नहीं सकते। हम दर्द को समझ सकते हैं। अपनों को खोने वालों के दिल में क्या होता है, जब फोन आता है तो कैसा लगता है, वो मैं समझता हूं, मेरी बहन समझती है।'

- **ये फोन कॉल बंद होने चाहिए:** एक पत्रकार ने पूछा कि जम्मू-कश्मीर से और यात्रा से क्या हासिल करना चाहते हैं। यात्रा का लक्ष्य है कि ये जो फोन कॉल हैं, भले आर्मी के हों, कश्मीरियों के हों, बंद होने चाहिए। ये फोन कॉल किसी मां को, किसी बच्चों को नहीं लेने चाहिए। मेरा लक्ष्य ये फोन कॉल बंद करने का है।
- **ये मैंने विचारधारा के लिए किया:** जो विचारधारा इस देश की नींव को तोड़ने की कोशिश कर रही है, उसके खिलाफ हम खड़े हों, मिलकर खड़े हों। नफरत से नहीं, क्योंकि वो हमारा तरीका नहीं, मोहब्बत से खड़े हों। हम मोहब्बत से खड़े होंगे, प्यार से बात करेंगे तो हमें सफलता मिलेगी। उनकी विचारधारा को सिर्फ हराएंगे नहीं, उनके दिलों से भी निकाल देंगे।

रैली में किसने क्या कहा

प्रियंका गांधी ने कहा- हर हिंदुस्तानी देश में एकता और शांति चाहता है। जो राजनीति तोड़ती है, उस राजनीति से भलाई नहीं हो सकती। BJY एक आध्यात्मिक यात्रा रही है। यात्रा के बीच में अजान का वक्त हो गया तो उन्होंने स्पीच रोक दी।

महबूबा मुफ्ती बोलीं- राहुल, आपने कहा था कि तुम कश्मीर में अपने घर आ गए हो। यह तुम्हारा घर है। मुझे उम्मीद है कि गोडसे की विचारधारा ने जम्मू-कश्मीर से जो छीन लिया, वह इस देश से वापस मिल जाएगा। गांधी जी ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में आशा की किरण देख सकते हैं। आज देश राहुल गांधी में आशा की किरण देख सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- ये यात्रा चुनाव जीतने या कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि नफरत के खिलाफ आवाज उठाने के लिए निकाली गई।

लोकसभा की कुल 172 सीटों पर फोकस

80 उत्तर प्रदेश	48 महाराष्ट्र	39 तमिलनाडु	29 मध्य प्रदेश
28 कर्नाटक	26 गुजरात	25 आंध्र प्रदेश	25 राजस्थान
20 केरल	17 तेलंगाना	13 पंजाब	10 हरियाणा
	7 दिल्ली	5 जम्मू और कश्मीर	

यात्रा का उद्देश्य

पहला

केंद्र में NDA की सरकार के दौरान देश में बढ़ रहे आर्थिक असमानता के खिलाफ

दूसरा

जाति, धर्म, भाषा, नस्ल और रंग के आधार पर बढ़ रहे भेदभाव और अपराध के खिलाफ

तीसरा

केंद्र सरकार द्वारा सत्ता और सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ

चौथा

2024 लोकसभा चुनाव से पहले जनसमर्थन हासिल करना

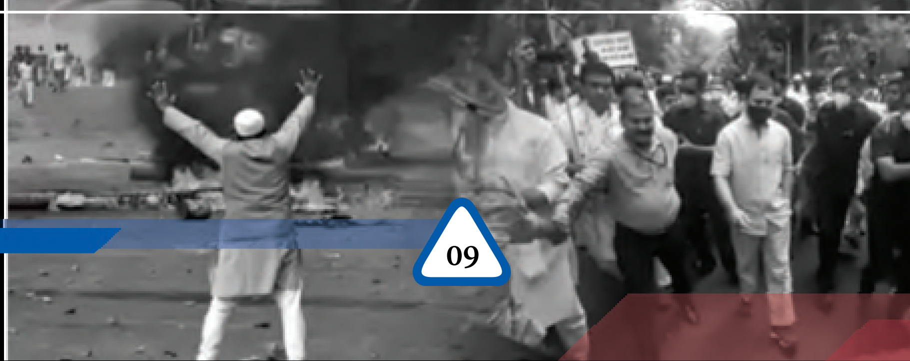

हिंडनबर्गरिपोर्ट ने अडानी को आईना दिखाया

अमन सिन्हा

जनवरी में अडाणी ग्रुप की कंपनियों के बारे में अमेरिका की 'हिंडनबर्ग' कंपनी ने एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट का टाइटल है- **'दुनिया का तीसरा सबसे अमीर आदमी किस तरह कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा धोखा कर रहा है'**

इस रिपोर्ट के सामने आते ही दो बातें हुई हैं...

1. अडाणी के शेयरों की कीमत करीब 4 लाख करोड़ रुपए गिर गई।
2. गौतम अडाणी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे से 7वें पर स्थान पर चले गए।

ऐसे में अब हर किसी के मन में ये सवाल उठ रहा है कि ये 'हिंडनबर्ग' है क्या, ये कंपनी करती क्या है, इसका मालिक कौन है, ये रिपोर्ट उसने क्यों जारी की?

हिंडनबर्ग कंपनी के बारे में जानिए...

नाथन एंडरसन नाम का एक शख्स अमेरिका के कनेक्टिकट यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल बिजनेस विषय में ग्रेजुएशन पूरी करता है। इसके बाद वह नौकरी की तलाश करने लगता है। जल्द ही उसे एक डेटा रिसर्च कंपनी में नौकरी मिल जाती है। यहां उसका काम पैसों के इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट से जुड़ा होता है।

नौकरी करते हुए एंडरसन डेटा और शेयर मार्केट की बारीकियों को समझता है। उसे इस बात का अंदाजा हो जाता है कि शेयर मार्केट दुनिया के पूंजीपतियों का सबसे बड़ा अड्डा है।

इसमें काफी कुछ ऐसा हो रहा है जो आम लोगों की समझ से बाहर है। इसी वजह से एंडरसन के दिमाग में फाइनेंशियल रिसर्च कंपनी शुरू करने का आइडिया आया। इसका परिणाम 2017 में दिखा जब एंडरसन ने 'हिंडनबर्ग' नाम से इस कंपनी की शुरुआत की।

'हिंडनबर्ग' कंपनी करती क्या है ?

नाथन एंडरसन की कंपनी 'हिंडनबर्ग' का मुख्य काम शेयर मार्केट, इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव्स पर रिसर्च

3 मई 1937 को अमेरिका में हिंडनबर्ग एयर स्पेसशिप हादसे का शिकार हो गया। ये उसी वक्त की तस्वीर है।

दर्दनाक 'हिंडनबर्ग' हादसे पर रखा कंपनी का नाम

ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर में हिंडनबर्ग नाम का एक जर्मन एयर स्पेसशिप उड़ान भरते समय हवा में ही क्रैश हो गया। इस हादसे में 35 लोगों की दर्दनाक मौत हुई।

करना है। इस रिसर्च के जरिए 'हिंडनबर्ग' कंपनी ये पता करती है कि...

- क्या शेयर मार्केट में कहीं गलत तरह से पैसों की हेरा-फेरी हो रही है।
- कहीं बड़ी कंपनियां अपने फायदे के लिए अकाउंट मिस मैनेजमेंट तो नहीं कर रही हैं।
- कोई कंपनी अपने फायदे के लिए शेयर मार्केट में गलत तरह से दूसरी कंपनियों के शेयर को बेट लगाकर नुकसान तो नहीं पहुंचा रही है।

इस तरह रिसर्च पूरी करने के बाद 'हिंडनबर्ग' कंपनी एक विस्तार से रिपोर्ट पब्लिश करती है। कई मौकों पर इस कंपनी की रिपोर्ट का दुनियाभर के शेयर मार्केट पर असर देखने को मिला है।

दर्दनाक 'हिंडनबर्ग' हादसे पर रखा कंपनी का नाम

6 मई 1937 की बात है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर में हिंडनबर्ग नाम का एक जर्मन एयर स्पेसशिप उड़ान भरते समय हवा में ही क्रैश हो गया। इस हादसे में 35 लोगों की दर्दनाक मौत हुई।

जांच के बाद पता चला कि इस विमान के हाइड्रोजन गुब्बारों में आग लगने की वजह से ये घटना घटी थी। इससे पहले भी हाइड्रोजन गुब्बारों में आग लगने की वजह से हादसे हुए थे। जांच रिपोर्ट में पता चला कि कंपनी ने नियमों का पालन किए बिना क्षमता से ज्यादा लोगों को इस विमान में बिठा दिया था।

नाथन एंडरसन का मानना है कि स्पेसशिप कंपनी पहले की घटनाओं से सीखकर इस हादसे को टाल सकती थी। 80 साल पहले हुई घटना ने नाथन एंडरसन के दिल और दिमाग पर गहरा असर छोड़ा था। इसी लिए उसने 2017 में अपनी कंपनी का नाम 'हिंडनबर्ग' रखा।

ये नाम रखने का मकसद सिर्फ एक था- हिंडनबर्ग की तर्ज पर शेयर मार्केट में लाभ कमाने के लिए हो रही गड़बड़ियों पर नजर रखकर उसकी पोल खोलना। ताकि शेयर मार्केट में घोटालों की वजह से होने वाले किसी क्रैश को रोका जा सके।

'हिंडनबर्ग' ने अडाणी की कंपनियों पर रिपोर्ट क्यों जारी की ?

'हिंडनबर्ग' की रिपोर्ट पढ़ने से साफ पता चलता है कि इस कंपनी ने जानबूझ कर ये रिपोर्ट अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर गिराने के लिए जारी की। इसकी वजह यह है कि 'हिंडनबर्ग' ने अडाणी ग्रुप की कंपनियों पर 'शॉर्ट पोजिशन' ले रखी है। दरअसल, शेयर मार्केट से पैसा कमाने के दो मुख्य तरीके हैं...

1. लांग पोजिशन 2. शॉर्ट पोजिशन

मान लीजिए किसी कंपनी या व्यक्ति ने 100 रुपए में किसी कंपनी के शेयर खरीदे और 150 रुपए में बेच दिए। ऐसे में उसे 50 रुपए का लाभ मिलता है। इस तरीके को लांग पोजिशन कहते हैं।

'हिंडनबर्ग' ये नाम रखने का मकसद सिर्फ एक था- हिंडनबर्ग की तर्ज पर शेयर मार्केट में लाभ कमाने के लिए हो रही गड़बड़ियों पर नजर रखकर उसकी पोल खोलना। ताकि शेयर मार्केट में घोटालों की वजह से होने वाले किसी क्रैश को रोका जा सके।

इसी तरह मान लीजिए कि हिंडनबर्ग कंपनी ने शेयर मार्केट से जुड़ी किसी A कंपनी से एक महीने के लिए 10 शेयर उधार लिए और B को बेच दिए। इस वक्त बाजार में एक शेयर की कीमत 100 है और उसने उसी कीमत में B को बेचे हैं। अब हिंडनबर्ग को भरोसा है कि उसकी रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद अडाणी के शेयर की कीमत गिरेगी।

अब मान लीजिए रिपोर्ट पब्लिश होते ही अडाणी के एक शेयर का भाव 100 से गिरकर 80 हो गया। ऐसे में हिंडनबर्ग अब बाजार से 80 रुपए में 10 शेयर खरीदकर A कंपनी को लौटा देगा। इस तरह हिंडनबर्ग को एक शेयर पर 20 रुपए तक लाभ मिलता है। इसे ही शॉर्ट पोजिशन कहते हैं।

नाथन एंडरसन की कंपनी ने अडाणी ग्रुप की कंपनी पर यही शॉर्ट पोजिशन दांव खेला है। इसके लिए उसने अपनी दो साल की रिसर्च को आधार बनाया है।

हिंडनबर्ग ने अडाणी कंपनी को लेकर क्या खुलासे किए हैं?

हिंडनबर्ग ने अडाणी कंपनी को लेकर अपनी रिपोर्ट में 3 बड़े आरोप लगाए हैं, जिसकी वजह से अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर में गिरावट आई है...

- **पहला आरोप:** अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयर की कीमत उसी सेक्टर में बिजनेस करने वाली दूसरी कंपनियों की तुलना में 85% तक ज्यादा है। दरअसल, शेयर की कीमत उस कंपनी को होने वाले मुनाफे से तय होती है। बाजार अनुमान लगाता है किसी कंपनी को होने वाले मुनाफे के मुकाबले उस कंपनी के शेयर की कीमत कितनी ज्यादा होगी। इसे प्राइज अर्निंग रेश्यो कहते हैं। अडाणी की कंपनियों का प्राइज अर्निंग रेश्यो दूसरी कंपनियों से काफी ज्यादा है।
- **दूसरा आरोप:** अडाणी ग्रुप ने शेयर मार्केट में हेराफेरी करके अपने शेयरों की कीमत बढ़वाई है। अडाणी ने मॉरीशस और दूसरे देश की कंपनियों में पैसे लगाए। उन कंपनियों ने बाद में अडाणी ग्रुप की कंपनी से शेयर खरीदे।

इस तरह विदेशी कंपनी के शेयर खरीदने से अडाणी की कंपनी में लोगों का भरोसा बढ़ता है। इससे शेयर की मांग बढ़ती है और मांग बढ़ते ही शेयर की कीमत भी बढ़ती है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट में कहा गया है कि अडाणी के भाई विनोद दुबई में बैठकर यही काम कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में विनोद अडाणी से जुड़ी 38 कंपनियों का भी जिक्र किया गया है।

- **तीसरा आरोप:** अडाणी ग्रुप पर 2.20 लाख करोड़ से ज्यादा का भारी कर्ज है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज ले रखा है। अडाणी ग्रुप की कई कंपनियों ने तो अपनेशेयर तक गिरवी

The 7 Listed Companies Of Adani Group Are 85%+ Overvalued Even If You Ignore Our Investigation And Take The Companies' Financials At Face Value

Even before examining the evidence put forward in this report and based solely on financials taken directly from its companies, the Adani Group appears to be highly overvalued.

Infrastructure firms are generally relatively sleepy, low growth, low multiple enterprises, yet valuation metrics of the Adani listed companies are comparable to the frothiest of high-growth tech companies.

Name	Price/ Earnings	Industry Avg.	Implied Downside	Price/ Sales	Industry Avg.	Implied Downside	EV/ EBITDA	Industry Avg.	Implied Downside
Adani Green Energy	815x	24x	-97.10%	60.6x	1.1x	-98.13%	101x	12x	-88.33%
Adani Power	29x	24x	-18.17%	3.9x	1.1x	-70.66%	13x	12x	-10.42%
Adani Total Gas	831x	20x	-97.64%	139.3x	1.0x	-99.31%	303x	9x	-97.16%
Adani Transmission	312x	24x	-92.43%	27.3x	1.1x	-95.84%	69x	12x	-83.01%
Adani Enterprises	508x	12x	-97.68%	5.7x	0.5x	-91.33%	66x	8x	-88.16%
Adani Wilmar	90x	30x	-67.12%	1.3x	1.1x	-20.90%	37x	15x	-58.26%
Adani Ports	35x	2x	-93.26%	10.5x	0.9x	-91.65%	20x	2x	-88.07%

(Source: FactSet & Hindenburg analysis)

रिपोर्ट का वो हिस्सा जहां हिसाब-किताब करके बताया गया है कि अडाणी की कंपनी के शेयर की कीमत दूसरे कंपनियों से 85% ज्यादा है।

हिंडनबर्ग ने रिपोर्ट में कहा था- अडाणी ग्रुप की कंपनियों पर बड़ा कर्ज

हिंडनबर्ग रिसर्च कंपनी ने रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर कई दशकों से मार्केट मैनिपुलेशन, अकाउंटिंग फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप लगाया था। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि अडाणी ग्रुप की सभी प्रमुख लिस्टेड कंपनियों पर काफी ज्यादा कर्ज है और ग्रुप की सभी कंपनियों के शेयर 85% से ज्यादा ओवर वैल्यूड हैं।

रखकर कर्ज लिए हैं। अडाणी ने बीते दिनों ACC और अंबुजा कंपनी खरीदने के लिए भी कर्ज लिया था। ऐसे में बैंकों के पास वसूलने के लिए अडाणी के शेयर के अलावा और कुछ भी नहीं है।

हिंडनबर्ग पहले भी एक बड़ी कंपनी को कंगाल कर चुका है

2020 में इलेक्ट्रिक ट्रक बनाने वाली अमेरिकी कंपनी निकोला के शेयरों की कीमत तेजी से बढ़ रही थी। तभी सितंबर महीने में निकोला कंपनी को लेकर हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसके बाद इस कंपनी के शेयर 80% तक टूट गए थे।

अपनी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग ने दावा किया था कि निकोला ने अपनी कंपनी और गाड़ियों के बारे में निवेशकों को गलत जानकारी दी थी। खबर सामने आते ही अमेरिका के सिक्योरिटी और एक्सचेंज कमीशन ने निकोला के मालिक के खिलाफ फ्रॉड का आपराधिक मुकदमा चलाया था।

दोषी साबित होने पर निकोला के मालिक ट्रेवोर मिल्टन को 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा जुर्माना देना पड़ा था। जून 2020 में निकोला कंपनी की वैल्यूएशन 2.77 लाख करोड़ रुपए थी, जो कुछ दिनों बाद ही घटकर 11 हजार करोड़ रुपए रह गई।

हिंडनबर्ग ने 10 से ज्यादा बड़ी कंपनियों का खुलासा किया है

साल	इन कंपनियों पर किया खुलासा	देश
2016	RD लीगल	अमेरिका
2017	pershing gold पर्शिंग गोल्ड	अमेरिका
2017	OPKO Health ओपको हेल्थ	अमेरिका
2017	RIOT रॉयट ब्लॉकचेन	अमेरिका
2018	aphria एफ्रिया	कनाडा
2019	Bloomenergy ब्लूम एनर्जी	अमेरिका
2020	HF एचएफ फूड्स	अमेरिका
2020	NIKOLA निकोला	अमेरिकी
2022	ट्विटर	अमेरिकी
2023	adani अडाणी ग्रुप	भारतीय

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अडाणी ग्रुप के शेयरों में आई भारी गिरावट

कंपनी	27 जनवरी को गिरावट	5 ट्रेडिंग सेशन में गिरावट
अडाणी ट्रांसमिशन	20.00%	25.39%
अडाणी पोर्ट्स	15.24%	22.84%
अडाणी विल्मर	5.00%	7.05%
अडाणी पावर	5.00%	9.80%
अडाणी टोटल गैस	20.00%	23.28%
अडाणी ग्रीन एनर्जी	20.00%	24.97%
अडाणी इंटरप्राइजेज	18.31%	20.14%
अंबुजा सीमेंट	16.67%	26.41%
ACC	12.27%	20.46%
NDTV	4.99%	11.36%

1- राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने गौतम अडानी के छोटे भाई, राजेश अडानी पर 2004-2005 के आसपास हीरा व्यापार आयात/निर्यात योजना में केंद्रीय भूमिका निभाने का आरोप लगाया। सीमा शुल्क कर चोरी, आयात दस्तावेज बनाना और दो बार अवैध कोयला आयात करना के आरोपों में बाद में उन्हें दो बार गिरफ्तार कर लिया गया। उनके इतिहास को देखते हुए, बाद में उन्हें अडानी समूह में प्रबंध निदेशक के रूप में सेवा देने के लिए पदोन्नत क्यों किया गया?

2- गौतम अडानी के बहनोई, समीर वोरा, पर DRI द्वारा हीरा व्यापार घोटाले के सरगना होने और नियामकों को बार-बार झूठे बयान देने का आरोप लगाया गया था। उनके इतिहास को देखते हुए, उन्हें बाद में अडानी ऑस्ट्रेलिया डिवीजन के कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नत क्यों किया गया?

3- बिजली आयातों के ओवर-इनवॉइसिंग की डीआरआई जांच के हिस्से के रूप में, अडानी ने दावा किया कि विनोद अडानी की "शेयरधारक को छोड़कर" किसी भी अडानी समूह की कंपनियों में कोई भागीदारी नहीं थी। इस दावे के बावजूद, 2009 से अडानी पावर के लिए प्री-आईपीओ प्रॉस्पेक्टस ने विस्तार से बताया कि विनोद कम से कम 6 अडानी समूह की कंपनियों के निदेशक थे। क्या विनोद के बारे में नियामकों को दिए गए अडानी के मूल बयान झूठे थे?

4- अडानी समूह के साथ लेन-देन करने वाले सौदों और संस्थाओं पर सभी भूमिकाओं सहित, अडानी समूह में विनोद अडानी की भूमिका की आज तक की पूरी भूमिका क्या रही है?

5- मॉरीशस स्थित संस्थाएं जैसे एपीएमएस इन्वेस्टमेंट फंड, क्रेस्टा फंड, एलटीएस इन्वेस्टमेंट फंड, इलारा इंडिया ऑपर्च्युनिटीज फंड, और ओपल इन्वेस्टमेंट सामूहिक रूप से और लगभग विशेष रूप से अडानी-सूचीबद्ध कंपनियों में कुल मिलाकर लगभग 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का शेयर रखते हैं। यह देखते हुए कि ये संस्थाएँ अडानी में प्रमुख सार्वजनिक शेयर धारक हैं, अडानी कंपनियों में उनके निवेश के लिए धन का मूल स्रोत क्या है?

6- हाल ही में सूचना के अधिकार से पुष्टि अनुरोध पुष्टि करता है कि सेबी अडानी के विदेशी फंड स्टॉक स्वामित्व की जांच कर रहा है। क्या अडानी इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि यह जाँच चल रही है और उस जाँच की स्थिति के बारे में विवरण प्रदान कर सकते हैं?

7- अब तक किसी भी जांच के हिस्से के रूप में और किन नियामकों को कौन सी जानकारी प्रदान की गई है?

8 - मॉन्टेरोसा इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स से जुड़ी संस्थाएं सामूहिक रूप से अडानी स्टॉक की केंद्रित होल्डिंग्स में कम से कम 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मालिक हैं। मॉन्टेरोसा के सीईओ ने भगोड़े हीरा व्यापारी जतिन मेहता के साथ 3 कंपनियों में निदेशक के रूप में काम किया, जिनके बेटे की शादी विनोद अडानी की बेटी से हुई है। मॉन्टेरोसा, इसके फंड और अडानी परिवार के बीच संबंध की पूर्ण सीमा क्या है?

9- जतिन मेहता के साथ अडानी समूह की कंपनियों और विनोद अडानी से संबंधित संस्थाओं के लेन-देन की सीमा क्या है?

10- अडानी के करीबी सहयोगी चांग चुंग-लिंग की अध्यक्षता वाली गुडामी इंटरनेशनल नामक अडानी की एक संबंधित पार्टी इकाई ने मॉन्टेरोसा फंड में से एक में भारी निवेश किया जो अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी पावर को आवंटित किया गया था। अडानी कंपनियों में मॉरीशस की प्रमुख शेयरधारक के रूप में मॉन्टेरोसा संस्थाएँ बनी हुई हैं। अडानी सूचीबद्ध कंपनियों में एक संबंधित पक्ष इकाई द्वारा इस बड़े, निवेश के लिए अडानी का जवाब क्या है?

11- मॉन्टेरोसा के प्रत्येक फंड और अडानी में उनके निवेश के लिए धन का मूल स्रोत क्या था?

12- इलारा के लिए एक पूर्व व्यापारी, जिनका अडानी के शेयरों में लगभग 3 बिलियन डॉलर की होल्डिंग वाली एक फर्म, जिसमें एक फंड भी शामिल है जो अडानी के शेयरों में 99% केंद्रित है। उन्होंने हमें बताया कि यह स्पष्ट है कि अडानी शेयरों को नियंत्रित करते है। उन्होंने कहा कि धन की फ्लो जानबूझकर उनके लाभकारी स्वामित्व को छिपाने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसका अडानी के पास क्या जवाब है?

13- लीक हुए ईमेल से पता चलता है कि एलारा के सीईओ ने कुख्यात स्टॉक मैनिपुलेटर धर्मेश दोशी, केतन पारेख के साथी के साथ व्यापार किया था, भले ही दोशी अपनी कथित हेरफेर गतिविधि के लिए भगोड़ा हो गया था। यह देखते हुए कि इलारा अडानी के शेयरों के सबसे बड़े "सार्वजनिक" धारकों में से एक है, अडानी इस रिश्ते पर कैसे प्रतिक्रिया देता है?

14- इलारा फंड और अडानी में उनके निवेश के लिए धन का मूल स्रोत क्या था?

15- अडानी ने अंतरराष्ट्रीय निगमन फर्म एमिकॉर्प के साथ बड़े पैमाने पर काम किया है, जिसने कम से कम 7 प्रवर्तक संस्थाओं की स्थापना की है, कम से कम 17 ऑफशोर शेल और विनोद अडानी से जुड़ी संस्थाएं, और अडानी स्टॉक के कम से कम 3 मॉरीशस-आधारित ऑफशोर शेयरधारक हैं। मलेशियाई भ्रष्टाचार विरोधी आयोग की फाइलों के साथ, बिलियन डॉलर व्हेल और अमेरिकी कानूनी मामले की फाइलों के अनुसार, एमिकॉर्प ने 1एमडीबी अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग स्कैंडल से निकटता के बावजूद अडानी ने एमीकॉर्प के साथ मिलकर काम करना क्यों जारी रखा है?

16- न्यू लीना एक साइप्रस-आधारित निवेश फर्म है, जिसके पास अडानी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में ~95% हिस्सेदारी है, जिसमें 420 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक शामिल हैं। इकाई एमिकॉर्प द्वारा संचालित है। न्यू लीना और अडानी में इसके निवेश के लिए धन का मूल स्रोत क्या था?

17- ओपल इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 4.69% (फ्लोट के ~19% का प्रतिनिधित्व) के साथ अडानी पावर के शेयरों का सबसे बड़ा दावा किया गया स्वतंत्र धारक है। इसका गठन उसी दिन, उसी क्षेत्राधिकार (मॉरीशस) में विनोद अडानी से जुड़ी

एक इकाई के रूप में एक ही छोटी निगमन फर्म (ट्रस्टलिंक) द्वारा किया गया था। अडानी इसे कैसे समझाते हैं?

18- ओपल और अडानी में इसके निवेश के लिए धन का मूल स्रोत क्या था?

19- ट्रस्टलिंक के सीईओ ने अडानी के साथ अपने घनिष्ठ संबंध का दावा किया। इसी ट्रस्टलिंक सीईओ पर पहले डीआरआई द्वारा अडानी के साथ शेल कंपनियों का उपयोग करके धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। डीआरआई जांच रिकॉर्ड में विस्तृत विवरण सहित ट्रस्टलिंक के सीईओ के अडानी समूह के साथ लेन-देन का पूरा विवरण क्या है?

20- भारतीय एक्सचेंजों के डेटा के हमारे विश्लेषण और प्रति शेयर ट्रेडिंग वॉल्यूम का खुलासा करने के अनुसार, अडानी स्टॉक में केंद्रित पदों वाली उपरोक्त नामित अपतटीय संस्थाएं, अडानी के फाइलिंग अनुसार अडानी के शेयरों में वार्षिक डिलीवरी वॉल्यूम का 30%-47% तक का हिसाब रखती हैं, जो एक बड़ी अनियमितता है। अडानी अपारदर्शी ऑफशोर फंडों के इस केंद्रित समूह से अत्यधिक व्यापारिक मात्रा की व्याख्या कैसे करते है?

21- इस व्यापार की प्रकृति से पता चलता है कि ये संस्थाएँ जोड़ तोड़ व्यापार या जोड़ तोड़ व्यापार के अन्य रूपों में शामिल हैं। इसका अडानी कैसे जवाब देते है?

22- 2019 में, अडानी ग्रीन एनर्जी ने बिक्री के लिए दो प्रस्ताव (ओएफएस) पूरे किए जो यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण थे कि इसके सार्वजनिक शेयरधारक 25% लिस्टिंग सीमा की आवश्यकता से ऊपर थे। हमारी रिपोर्ट में नामित मॉरीशस और साइप्रस संस्थाओं सहित इन ओएफएस सौदों का कितना हिस्सा ऑफशोर संस्थाओं को बेचा गया था?

23- भारतीय सूचीबद्ध कॉरपोरेट्स को एक साप्ताहिक शेयरहोल्डिंग अपडेट प्राप्त होता है, जिसे जनता के सामने प्रकट नहीं किया जाता है, जो सौदों के शेयरहोल्डिंग परिवर्तनों का विवरण देना था। क्या अडानी ओएफएस सौदों में भाग लेने वाली ऑफशोर संस्थाओं की पूरी सूची का विवरण देंगे?

24- अडानी ने ओएफएस सौदों को चलाने के लिए मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल को चुना। एक निजी कंपनी मोनार्क में अडानी की एक छोटी स्वामित्व हिस्सेदारी है, और गौतम अडानी के बहनोई ने पहले फर्म के साथ मिलकर एक एयरलाइन खरीदी थी। ऐसा लगता है कि यह करीबी रिश्ता हितों का स्पष्ट टकराव पैदा करता है। अडानी इसका जवाब कैसे देते है?

25- अडानी ने सौदों को चलाने के लिए एक बड़े, सम्मानित ब्रोकर के बजाय, मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल को क्यों चुना, जो पहले बाजार में हेरफेर के आरोपों पर सेबी द्वारा निलंबित और एक छोटी फर्म थी?

26- मिस्टर रॉबी सिंह, ग्रुप सीएफओ, जिस समय 2021 में सार्वजनिक मंचों पर शेयरधारिता का मुद्दा उठा, ने 16 जून 2021 को NDTV के एक साक्षात्कार में दावा किया कि मॉरीशस के शेयरधारकों जैसे फंडों ने नया निवेश नहीं किया था और अन्य शेयरों को खरीद कर मालिक बन गए थे। अडानी शेयरों को वर्टिकल डिमर्जर्स के जरिए शेयर करता है। हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि यह लगभग निश्चित था कि मॉरीशस के शेयरधारकों ने अडानी ग्रीन में और निवेश किया। यह उस समय के साथ मेल खाता है जब सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करने के लिए प्रमोटरों को अपनी शेयरधारिता को कम करना आवश्यक था। अडानी समूह इस नए साक्ष्य का जवाब कैसे देते है?

27- हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि सेबी ने 1999 से

2005 के बीच अडानी के शेयरों में हेरफेर करने के लिए अडानी के प्रमोटरों सहित 70 से अधिक संस्थाओं और व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया। अडानी इस पर कैसे प्रतिक्रिया करते है?

28- सेबी के एक फैसले ने निर्धारित किया कि अडानी के प्रमोटरों ने अडानी एक्सपोर्ट्स (अब अडानी एंटरप्राइजेज) के शेयरों में हेराफेरी में केतन पारेख को सहायता की, यह दिखाते हुए कि 14 अडानी निजी कंपनियों ने पारेख द्वारा नियंत्रित संस्थाओं को शेयर हस्तांतरित किए। अडानी भारत के सबसे कुख्यात सजायाफ्ता स्टॉक धोखेबाजों में से एक के साथ मिलकर अपने शेयरों में इस समन्वित, व्यवस्थित स्टॉक हेरफेर की व्याख्या कैसे करते है?

29- अपने बचाव में, अडानी समूह ने दावा किया कि उसने पारेख और मुंद्रा बंदरगाह पर वित्त संचालन के लिए उनके स्टॉक हेरफेर करके निपटाया था। क्या अडानी इस स्टॉक हेरफेर के माध्यम से पूंजी की निकासी को वित्त पोषण की एक वैध विधि के रूप में देखता है?

30- केतन पारेख के करीबी लोगों ने हमें बताया है कि वह अडानी सहित अपने पुराने ग्राहकों के साथ लेन-देन पर काम करना जारी रखते हैं। पारेख और अडानी समूह के बीच संबंध की पूर्ण सीमा क्या थी और क्या है, जिसमें विनोद अडानी के साथ किसी भी इकाई का संबंध शामिल है?

31- यह देखते हुए कि अडानी समूह के प्रवर्तक ऋणों के लिए संपार्श्विक के रूप में शेयर गिरवी रखते हैं, स्टॉक हेरफेर कृत्रिम रूप से ऐसे ऋणों के लिए संपार्श्विक और उधार आधार को नहीं बढ़ाएंगे, जिससे प्रवर्तकों के प्रतिपक्षों के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम पैदा हो जाएगा और प्रॉक्सी द्वारा, अडानी शेयरधारकों के हाथों नुकसान होगा। इक्विटी बिक्री के माध्यम से संपार्श्विक कॉल या डीलेवरेजिंग?

32- 2007 में, इकोनॉमिक टाइम्स के एक लेख में एक सौदे का वर्णन किया गया था, जिसमें केतन पारेख से जुड़े एक भगोड़े धर्मेश दोशी द्वारा नियंत्रित ब्रोकरेज ने एक बीवीआई इकाई के लिए एक दवा कंपनी में शेयर खरीदे थे, जहां विनोद अडानी ने शेयरधारक और निदेशक के रूप में काम किया था। विनोद अडानी सहित धर्मेश दोषी और अडानी समूह के बीच संबंध की पूर्ण सीमा क्या थी और है?

33- एक भगोड़े और वांछित बाजार जोड़तोड़ करने वाले धर्मेश दोशी द्वारा संचालित ब्रोकरेज इकाई, जेर्मिन कैपिटल के साथ लेनदेन के हिस्से के रूप में एक कथित यूएस $ 1 मिलियन प्राप्त करने वाली विनोद अडानी इकाई के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

34- निवेशक आमतौर पर हितों के टकराव और लेखांकन विसंगतियों से बचने के लिए स्वच्छ और सरल कॉर्पोरेट संरचनाओं को पसंद करते हैं जो विशाल, जटिल संरचनाओं में दुबक सकते हैं। अडानी की 7 प्रमुख सूचीबद्ध संस्थाओं में सामूहिक रूप से 578 सहायक कंपनियां हैं और बीएसई के खुलासे के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2022 में कुल 6,025 अलग-अलग संबंधित-पार्टी लेनदेन में शामिल हैं। अडानी ने इस तरह के एक जटिल, आपस में जुड़े कॉर्पोरेट ढांचे को क्यों चुना है?

35- हमें विनोद अडानी और सुबीर मित्रा (अडानी के निजी परिवार कार्यालय के प्रमुख) से जुड़ी मॉरीशस की कम से कम 38 संस्थाएँ मिलीं। हमने विनोद अडानी से जुड़ी संस्थाओं को साइप्रस, यूएई, सिंगापुर और विभिन्न कैरिबियाई द्वीपों जैसे अन्य टैक्स हेवन न्यायालयों में भी पाया। इनमें से कई संस्थाओं ने लेन-देन की संबंधित पक्ष प्रकृति का खुलासा किए बिना अडानी संस्थाओं के साथ लेन-देन किया है, जो कानून का उल्लंघन प्रतीत होता है, जैसा कि हमारी रिपोर्ट में देखा गया है। इसका क्या स्पष्टीकरण है?

36- विनोद अडानी कितनी संस्थाओं के साथ निदेशक, शेयरधारक या लाभार्थी स्वामी के रूप में जुड़े हुए हैं? इन संस्थाओं के नाम और अधिकार क्षेत्र क्या हैं?

37- अडानी साम्राज्य में निजी और सूचीबद्ध संस्थाओं के साथ विनोद अडानी से जुड़ी संस्थाओं के व्यवहार का पूरा विवरण क्या है?

38- हमें 13 विनोद अडानी संस्थाओं के लिए वेबसाइटें मिलीं जो यह प्रदर्शित करने के लिए अल्पविकसित प्रयासों की तरह लगती हैं कि संस्थाओं का संचालन होता है। ठीक उसी दिन कई वेबसाइटों का गठन किया गया था और "विदेश में खपत" और "वाणिज्यिक उपस्थिति" जैसी निरर्थक सेवाओं को सूचीबद्ध किया गया था। इनमें से प्रत्येक संस्था वास्तव में किस व्यवसाय या संचालन में संलग्न है?

39- विनोद अडानी से जुड़ी इकाई के लिए वेबसाइटों में से एक ने दावा किया कि "हम निर्माता और उपभोक्ता के बीच एक अमूर्त उत्पाद की बिक्री और वितरण जैसी सेवाओं में व्यापार करते हैं।" इसका क्या मतलब है?

40- विनोद अडानी-नियंत्रित एक मॉरीशस इकाई जिसे अब क्रुनाल ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट कहा जाता है, ने एक निजी अडानी इकाई को INR 71 बिलियन (यू.एस. ~$253 मिलियन) उधार दिया, बिना यह खुलासा किए कि यह एक संबंधित पार्टी ऋण है। अडानी इसे कैसे समझाते हैं?

41- एक विनोद अडानी-नियंत्रित यूएई इकाई जिसे इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट डीएमसीसी कहा जाता है, लिंक्डइन पर किसी भी कर्मचारी को सूचीबद्ध नहीं करती है, उसकी कोई ऑनलाइन उपस्थिति नहीं है, उसने कोई ग्राहक या सौदे की घोषणा नहीं की है, और यह संयुक्त अरब अमीरात के एक अपार्टमेंट में है। इसने अडानी पावर की सहायक कंपनी को 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज दिया। इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट DMCC फंड्स का स्रोत क्या था?

42- विनोद अडानी-नियंत्रित एक साइप्रस इकाई जिसे वाकोडर इन्वेस्टमेंट कहा जाता है, के पास कर्मचारियों का कोई संकेत नहीं है, कोई ऑनलाइन उपस्थिति नहीं है, और कोई स्पष्ट संचालन नहीं है। अडानी की एक निजी संस्था में इसने 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था, बिना इस बात का खुलासा किए कि यह एक संबंधित पार्टी थी। अडानी इसे कैसे समझाते हैं?

43- वाकोडर फंड का स्रोत क्या था?

44- हमने 2013-2015 के बीच लेन-देन की एक श्रृंखला की पहचान की है, जिसके तहत इन सौदों की संबंधित जरूरी प्रकृति के प्रकटीकरण के बिना, विनोद अडानी द्वारा नियंत्रित एक निजी सिंगापुरी इकाई को सूचीबद्ध अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी से संपत्ति स्थानांतरित की गई थी। इन लेन-देन और प्रकटीकरण की कमी के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

45- विनोद अडानी द्वारा नियंत्रित सिंगापुर की निजी संस्था ने हस्तांतरित संपत्तियों के मूल्य को लगभग तुरंत लिख दिया। अगर वे अभी भी अडानी एंटरप्राइजेज की किताबों में थे, तो संभवत: इसका परिणाम हानि और रिपोर्ट की गई शुद्ध आय में महत्वपूर्ण गिरावट होगी। इस बात का क्या स्पष्टीकरण है कि इन संपत्तियों को लिखे जाने से पहले एक निजी अघोषित संबंधित पार्टी को क्यों स्थानांतरित किया गया था?

46- हमने पाया कि अडानी के एक वर्तमान और पूर्व निदेशक द्वारा चलाए जा रहे निवास पर स्थित "सिल्वर बार" व्यापारी, बिना किसी वेबसाइट के और संचालन के कोई स्पष्ट संकेत नहीं, निजी अडानी इंफ्रा को INR 15 बिलियन (US $202 मिलियन) उधार दिया, जिसका कोई खुलासा नहीं किया गया यह एक संबंधित पार्टी लेनदेन होने के

नाते। आवश्यक प्रकटीकरण की कमी के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

47- ऋण का उद्देश्य क्या था, और "सिल्वर बार" व्यापारी के धन का मूल स्रोत क्या था?

48- गार्डेनिया ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट्स एक मॉरीशस-आधारित इकाई है, जिसकी कोई वेबसाइट नहीं है, लिंक्डइन पर कोई कर्मचारी नहीं है, कोई सोशल मीडिया उपस्थिति नहीं है, और कोई स्पष्ट वेब उपस्थिति नहीं है। इसके एक निदेशक सुबीर मित्रा हैं, जो अडानी के निजी परिवार कार्यालय के प्रमुख हैं। इकाई ने निजी अडानी इन्फ्रा को INR 4 बिलियन (US $692.5 मिलियन) उधार दिया, जिसमें संबंधित पार्टी ऋण होने का कोई खुलासा नहीं किया गया। आवश्यक प्रकटीकरण की कमी के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

49- ऋण का उद्देश्य क्या था, और गार्डेनिया ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट फंड का मूल स्रोत क्या था?

50- माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स, एक और चांदी और सोने का व्यापार करने वाली कंपनी भी अडानी समूह के एक पुराने कर्मचारी और अडानी कंपनियों के पूर्व निदेशक द्वारा चलाया जाता है, अडानी इंफ्रा में INR 7.5 बिलियन (US $101 मिलियन) का निवेश किया। एक बार फिर इसके संबंधित पार्टी ऋण होने का कोई खुलासा नहीं हुआ। आवश्यक प्रकटीकरण की कमी के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

51- ऋण का उद्देश्य क्या था, और माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स फंड का मूल स्रोत क्या था?

52- ग्रोमोर ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट नामक एक अन्य गुप्त मॉरीशस इकाई ने अडानी पावर के साथ स्टॉक विलय के माध्यम से रातोंरात यूएस $ 423 मिलियन का लाभ कमाया। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, ग्रोमोर को चांग चुंग-लिंग द्वारा नियंत्रित किया जाता है, एक व्यक्ति जिसने विनोद अडानी के साथ एक आवासीय पता साझा किया था और डीआरआई धोखाधड़ी के आरोपों में एक प्रमुख मध्यस्थ इकाई के निदेशक के रूप में नामित किया गया था, जो अडानी एंटरप्राइजेज से धन निकालने के लिए इस्तेमाल किया गया था। अडानी परिवार के एक करीबी सहयोगी द्वारा नियंत्रित एक अपारदर्शी निजी संस्था को इस अप्रत्याशित लाभ के लिए क्या स्पष्टीकरण है?

53- चांग चुंग-लिंग के अडानी समूह के साथ, विनोद अडानी के साथ उनके संबंधों की प्रकृति क्या है?

54- सूचीबद्ध अडानी कंपनियों ने प्रमुख परियोजनाओं के निर्माण में मदद करने के लिए पिछले 12 वर्षों में निजी ठेकेदार पीएमसी प्रोजेक्ट्स को 63 अरब रुपये का भुगतान किया है। 2014 की डीआरआई जांच में पीएमसी प्रोजेक्ट्स को अडानी समूह के लिए एक "डमी फर्म" कहा गया। यह देखते हुए कि प्रमुख का निर्माण प्रोजेक्ट्स अडानी का व्यवसाय है, क्या पीएमसी प्रोजेक्ट्स वास्तव में सिर्फ एक "डमी फर्म" है?

55- पीएमसी प्रोजेक्ट्स की कोई वर्तमान वेबसाइट नहीं है। इसकी वेबसाइट के ऐतिहासिक कैप्चर से पता चलता है कि इसने अडानी कंपनी के साथ एक पता और फोन नंबर साझा किया था। कई कर्मचारी लिंक्डइन प्रोफाइल दिखाते हैं कि वे दोनों में एक साथ काम करते हैं। कई लोगों ने भ्रम व्यक्त किया कि क्या कोई अंतर था। क्या पीएमसी प्रोजेक्ट्स अडानी के लिए महज एक "डमी फर्म" है?

56- प्रकट किये गए स्वामित्व रिकॉर्ड से पता चलता है कि पीएमसी प्रोजेक्ट्स का स्वामित्व विनोद अडानी के करीबी सहयोगी चांग चुंग-लिंग के बेटे के पास है, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है। ताइवानी मीडिया की रिपोर्ट है कि बेटा "अडानी ग्रुप का ताइवान प्रतिनिधि" है। हमें एक आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम में अडानी का चिन्ह पकड़े हुए उनकी तस्वीरें मिलीं, जहां उन्होंने अडानी का

प्रतिनिधित्व किया था। एक बार फिर, क्या पीएमसी अडानी के लिए महज एक "डमी फर्म" है, जैसा कि सरकार ने पहले आरोप लगाया था?

57- यदि ऐसा है, तो दोनों में से किसी भी कंपनी ने आवश्यकता के अनुसार अपने व्यापक लेनदेन को संबंधित पार्टी लेनदेन के रूप में रिपोर्ट क्यों नहीं किया?

58- FY20 में, AdiCorp Enterprises ने शुद्ध लाभ में केवल INR 6.9 मिलियन (US $97,000) जनरेट किया। उसी वर्ष, अडानी समूह की 4 कंपनियों की संस्थाओं ने इसे 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर जो आदिकॉर्प की शुद्ध आय 900 वर्षों से अधिक था। AdiCorp Enterprises को उधार दिया था। ऐसा लगता है कि इन ऋणों का कोई वित्तीय अर्थ नहीं था। इन ऋणों को देने में क्या प्रक्रिया और व्यावसायिक औचित्य क्या था?

59- एडिकॉर्प ने उन ऋणों में से लगभग 98% तुरंत अडानी पावर को सूचीबद्ध किया। क्या एडिकॉर्प का उपयोग अडानी समूह की अन्य संस्थाओं और साइड-स्टेप संबंधित पार्टी मानदंडों से चुपके से अडानी पावर में धन स्थानांतरित करने के लिए एक माध्यम के रूप में किया गया था?

60- सूचीबद्ध अडानी कंपनियों ने पिछले 5 वर्षों में निजी अडानी इकाई "अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज" को 1 बिलियन (यूएस $260 मिलियन) का भुगतान क्यों किया है, यह देखते हुए कि सूचीबद्ध कंपनियों का व्यवसाय भी इन्फ्रास्ट्रक्चर का प्रबंधन कर रहा है?

61- सूचीबद्ध कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने एक कंपनी को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया, जो अंततः ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में अडानी परिवार के निजी ट्रस्ट के पास थी। ऑस्ट्रेलियाई कोयला टर्मिनल का उपयोग करने के लिए सुरक्षा राशि का भुगतान करने के दावे के तर्क के साथ। अडानी के निजी हितों के लिए सूचीबद्ध कंपनी को इतनी अधिक फीस देने की आवश्यकता क्यों थी?

62- अडानी एंटरप्राइजेज के पास 8 वर्षों के दौरान 5 मुख्य वित्तीय अधिकारी थे, जो संभावित लेखांकन अनियमितताओं का संकेत देने वाला एक प्रमुख आधार है। अडानी एंटरप्राइजेज को अपनी शीर्ष वित्तीय स्थिति के लिए किसी को बनाए रखने में इतना मुश्किल क्यों लगा?

63- इनमें से प्रत्येक पूर्व सीएफओ के इस्तीफे या बर्खास्तगी के क्या कारण थे?

64- अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स और अडानी पावर में से प्रत्येक के पास 5 वर्षों में 3 सीएफओ थे, जबकि अडानी गैस और अडानी ट्रांसमिशन दोनों का पिछले 4 वर्षों के भीतर सीएफओ का कारोबार था। अडानी संस्थाओं ने अपने शीर्ष वित्तीय पदों पर व्यक्तियों को बनाए रखने के लिए संघर्ष क्यों किया है?

65- इनमें से प्रत्येक पूर्व सीएफओ के इस्तीफे या समाप्ति के क्या कारण थे?

66- अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी गैस के लिए स्वतंत्र ऑडिटर शाह धनधरिया नामक एक छोटी फर्म है। इसकी वेबसाइट के ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि इसके केवल 4 भागीदार और 11 कर्मचारी थे। ऐसा लगता है कि वर्तमान में कोई वेबसाइट नहीं है। रिकॉर्ड बताते हैं कि यह मासिक कार्यालय किराए में INR 32,000 (2021 में US $ 435) का भुगतान करता है। केवल अन्य सूचीबद्ध इकाई हमने पाया कि इसका ऑडिट लगभग INR 640 मिलियन (US $ 8 मिलियन) का बाजार पूंजीकरण है। अडानी की सैकड़ों सहायक कंपनियों और हजारों परस्पर संबंधित सौदों के साथ सूचीबद्ध कंपनियों की जटिलता को देखते हुए, अडानी ने बड़े, अधिक

विश्वसनीय लेखा परीक्षकों के बजाय इस छोटी और वस्तुतः अज्ञात फर्म को क्यों चुना?

67- अडानी गैस के वार्षिक ऑडिट पर हस्ताक्षर करने वाले शाह धनधरिया के ऑडिट पार्टनर की उम्र 23 वर्ष थी जब उन्होंने ऑडिट को मंजूरी देना शुरू किया। उसने अभी विश्वविद्यालय समाप्त किया था। क्या वह व्यक्ति वास्तव में दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक द्वारा नियंत्रित फर्म की वित्तीय जांच करने और उसके खाते में रखने की स्थिति में है?

68- अडानी एंटरप्राइजेज के वार्षिक ऑडिट पर हस्ताक्षर करने वाले शाह धनधरिया के ऑडिट पार्टनर की उम्र 24 साल की थी, जब उन्होंने ऑडिट को मंजूरी देना शुरू किया। क्या वह व्यक्ति वास्तव में दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक द्वारा नियंत्रित एक फर्म की वित्तीय जांच करने और उसके खाते में रखने की स्थिति में है?

69- अडानी गैस और अडानी एंटरप्राइजेज के वार्षिक ऑडिट पर हस्ताक्षर करने वाले ऑडिट पार्टनर अब दोनों 28 साल के हो गए हैं। फिर से, क्या वे विश्व के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक द्वारा नियंत्रित फर्मों की वित्तीय स्थिति की विश्वसनीय रूप से जांच करने और उन्हें लेखा-जोखा रखने की स्थिति में हैं?

70- एक अर्न्स्ट एंड यंग सहयोगी अडानी पावर के ऑडिटर ने अपने ऑडिट में एक "योग्य" राय दी, जिसमें कहा गया कि उसके पास अडानी पावर द्वारा निवेश और ऋण में INR 75 बिलियन (यू.एस. ~ 700 मिलियन) को व्यवस्थित करने का कोई तरीका नहीं था। इन निवेशों और ऋणों के मूल्यांकन के लिए अडानी पावर की पूरी व्याख्या क्या है?

71- अडानी पावर के निवेश और ऋण के मूल्यांकन के किन हिस्सों से ऑडिटर असहमत थे?

72- अडानी पर डीआरआई और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा धोखाधड़ी के कई आरोप लगाए गए हैं। 2004-2006 के हीरा घोटाले की जांच में, सरकार ने आरोप लगाया कि अडानी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (बदला हुआ अडानी एंटरप्राइजेज) और संबंधित संस्थाओं का निर्यात उद्योग समूह की अन्य सभी 34 फर्मों के कुल निर्यात का 3 गुना था। ट्रेडिंग वॉल्यूम में अचानक उछाल को अडानी कैसे समझाते हैं?

73- हीरे के निर्यात की जांच ने विनोद अडानी और यूएई, सिंगापुर और हांगकांग में संस्थाओं द्वारा निभाई गई भूमिका का भी उल्लेख किया, जिनका उपयोग धन और उत्पाद के आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया था। अडानी, विनोद अडानी से जुड़ी संस्थाओं के साथ हुए सभी लेन-देन की व्याख्या कैसे करते है?

74- 2011 में, कर्नाटक राज्य के लिए संसदीय लोकपाल ने 466 पन्नों की एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें अडानी को लौह अयस्क के अवैध आयात से जुड़े 600 बिलियन (यूएस $12 बिलियन) के एक बड़े घोटाले के लिए "एंकर पॉइंट" के रूप में वर्णित किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अडानी ने योजना की सुविधा के लिए सरकार के सभी स्तरों को रिश्वत दी। जांच और इन निष्कर्षों के हिस्से के रूप में पेश किए गए व्यापक सबूतों पर अडानी की प्रतिक्रिया क्या है?

75- 2014 में, इस मामले में बिजली उपकरणों के ओवर-इनवॉइसिंग के माध्यम से, डीआरआई ने एक बार फिर अडानी पर विनोद अडानी द्वारा नियंत्रित मध्यस्थ संयुक्त अरब अमीरात स्थित शेल संस्थाओं का उपयोग करने का आरोप लगाया था, क्या अडानी ने बिजली उपकरण ख़रीदने के लिए इलेक्ट्रोजेन इंफ्रा FZE जैसी यूएई स्थित संस्थाओं

को इनवॉइस किया था? यदि हां, तो क्यों?

76- क्या उपकरण के लिए मूल खरीद मूल्य से कोई मार्कअप था? विनोद अडानी से जुड़ी संस्थाओं ने कौन सी सेवाएं प्रदान कीं जो एक मार्कअप को उचित ठहरातीं है?

77- उसी डीआरआई जांच में पाया गया कि विनोद अडानी की मध्यस्थ संस्था ने मॉरीशस में एक निजी स्वामित्व वाली अडानी संस्था को ~$900 मिलियन भेजे। इन लेन-देन के लिए स्पष्टीकरण क्या है?

78- मॉरीशस में एक निजी अडानी संस्था को भेजे जाने के बाद इन लेन-देन का पैसा कहां गया?

79- डीआरआई जांच में विनोद अडानी मध्यस्थ इकाई के माध्यम से कई अन्य लेनदेन भी दर्ज किए गए, जिनकी आगे जांचकर्ताओं द्वारा जांच नहीं की गई थी। इनअन्य लेन-देन के लिए अडानी की व्याख्या क्या है?

80- एक अन्य घोटाले में, अडानी पर दुबई, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर और बीवीआई में शेल संस्थाओं के माध्यम से कोयले के आयात को अधिक महत्व देने का आरोप लगाया गया था। क्या अडानी ने इन न्यायालयों में संस्थाओं के साथ लेन-देन किया था? यदि हां, तो कौन-कौन से हैं और क्यों?

81- 2019 में, सिंगापुर की इकाई पैन एशिया कोल ट्रेडिंग ने अडानी समूह द्वारा मंगाई गई कोयला आपूर्ति निविदा जीती। पैन एशिया कोल ट्रेडिंग की वेबसाइट अपने कोयला व्यापार अनुभव पर कोई विवरण प्रदान नहीं करती है, न ही यह कंपनी से जुड़े किसी एक व्यक्ति का नाम लेती है। अडानी समूह ने कोयले की आपूर्ति के लिए इतनी छोटी फर्म का चयन क्यों किया? इसके चयन के लिए कौन-सी उचित प्रक्रिया अपनाई गई?

82- कॉर्पोरेट रिकॉर्ड बताते हैं कि अडानी समूह की कंपनी के पूर्व निदेशक पैन एशिया के निदेशक और शेयरधारक थे। अडानी समूह ने लेन-देन में हितों के संभावित टकराव का खुलासा क्यों नहीं किया?

83- उसी वर्ष 2019 में कोयला सौदा जीतने के बाद, सिंगापुर के कॉर्पोरेट रिकॉर्ड के अनुसार, पैन एशिया कोल ट्रेडिंग ने अडानी समूह की एक निजी इकाई को 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण दिया। अडानी परिवार की एक निजी कंपनी ने सिंगापुर में एक छोटी एकल शेयरधारक इकाई से उसी समय पैसा क्यों लिया जब उसकी सूचीबद्ध कंपनी उसे कोयला आपूर्ति का सौदा दे रही थी?

84- साक्षात्कारों में, गौतम अडानी ने कहा है, "आलोचना के प्रति मैं खुला है।" इसे देखते हुए, अडानी कर चोरी के आरोपों पर, अपने लेखों के बाद अडानी ने आलोचनात्मक पत्रकार परंजय गुहा ठाकुर को जेल में डालने की मांग क्यों की?

85- उसी साक्षात्कार में, गौतम अडानी ने कहा "हर आलोचना मुझे खुद को सुधारने का अवसर देती है।" इसे देखते हुए, 2021 में, अडानी के आलोचनात्मक वीडियो बनाने वाले YouTuber पर कोर्ट गैग ऑर्डर की मांग क्यों की?

86- उसी साक्षात्कार में, गौतम अडानी ने कहा, "मैं हमेशा आत्मनिरीक्षण करता हूं और दूसरों के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं।" इसे देखते हुए, अडानी समूह ने पत्रकारों और एक्टिविस्टों के खिलाफ कानूनी मुकदमे क्यों दायर किए हैं, जिसकी मीडिया वॉचडॉग ने निंदा की है? निजी जांचकर्ताओं द्वारा ऑस्ट्रेलिया में एक कार्यकर्ता की जांच क्यों किया गया?

87- अगर अडानी समूह के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो उसे अपने छोटे से छोटे आलोचक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता क्यों महसूस होती है?

88- क्या अडानी समूह वास्तव में खुद को मजबूत कॉरपोरेट गवर्नेंस वाले संगठन के रूप में देखता है, जो अपने नारे "अच्छाई के साथ विकास" को मूर्त रूप देता है?

अडाणी ग्रुप ने हिंडनबर्ग के आरोपों पर क्या कहा है?

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद अडाणी ग्रुप ने भारी नुकसान को देखते हुए अपनी ओर से सफाई दी है। 26 जनवरी को अडाणी ग्रुप ने एक स्टेटमेंट जारी कर कहा है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट गलत सूचनाओं और फैक्ट्स के आधार पर तैयार की गई है। इसके जारी होने के बाद हमारे शेयरहोल्डर्स और इन्वेस्टर्स के सेंटिमेंट पर गलत असर हुआ है। ऐसे में हिंडनबर्ग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अडाणी ग्रुप बोला-हिंडनबर्ग रिपोर्ट भारत पर हमला

गौतम अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को भारत पर साजिश के तहत हमला बताया है। ग्रुप ने 413 पन्नों का जवाब जारी किया। इसमें लिखा है कि अडाणी समूह पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। ग्रुप ने यह भी कहा कि इस रिपोर्ट का असल मकसद अमेरिकी कंपनियों के आर्थिक फायदे के लिए नया बाजार तैयार करना है।

- हिंडनबर्ग ने 24 जनवरी को एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें अडाणी ग्रुप पर धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे बड़े आरोप लगाए गए थे।
- रिपोर्ट जारी होने के बाद गौतम अडाणी की नेटवर्थ 10% कम हो गई। फोर्ब्स के मुताबिक, अडाणी को नेटवर्थ में 1.32 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।
- अमीरों की लिस्ट में अडाणी चौथे नंबर से खिसकर 7वें पर आ गए थे। 25 जनवरी को उनकी नेटवर्थ 9.20 लाख करोड़ थी, जो 27 जनवरी को 7.88 लाख करोड़ रुपए पर आ गई थी।

अडाणी ग्रुप का हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर जवाब, 4 पॉइंट्स

1. रिपोर्ट भारत के विकास और उम्मीदों पर हमला

अडाणी समूह ने जवाब में लिखा कि यह रिपोर्ट किसी खास कंपनी पर किया गया बेबुनियाद हमला नहीं है, बल्कि यह भारत पर किया गया सुनियोजित हमला है। यह भारतीय संस्थानों की आजादी, अखंडता और गुणवत्ता पर किया गया हमला है। यह भारत के विकास की कहानी और उम्मीदों पर हमला है।

2. आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट

समूह ने कहा कि यह रिपोर्ट गलत जानकारी और आधे-अधूरे तथ्यों को मिलाकर तैयार की गई है। इसमें लिखे गए आरोप बेबुनियाद हैं और बदनाम करने की मंशा से लगाए गए हैं। इस रिपोर्ट का सिर्फ एक ही उद्देश्य है- झूठे आरोप लगाकर सिक्योरिटीज के मार्केट में जगह बनाना, जिसके चलते अनगिनत इंवेस्टर्स को नुकसान हो और शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग बड़ा आर्थिक फायदा उठा सके।

3. हिंडनबर्ग ने बदनीयती का सबूत दिया

अडाणी समूह ने अपने जवाब में हिंडनबर्ग की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। ग्रुप ने कहा कि जब अडानी समूह का IPO लॉन्च होने वाला है, जो कि देश का सबसे बड़ा IPO होगा, तो उससे ठीक पहले ऐसी रिपोर्ट जारी करके हिंडनबर्ग ने अपनी बदनीयत का सबूत दिया है।

4. रिपोर्ट न स्वतंत्र है और न निष्पक्ष

अडाणी ग्रुप ने कहा कि हिंडनबर्ग ने यह रिपोर्ट लोगों की भलाई के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए जारी की है। इसे जारी करने में हिंडनबर्ग ने सिक्योरिटीज एंड फॉरेन एक्सचेंज लॉ का भी उल्लंघन किया है। न तो यह

रिपोर्ट स्वतंत्र है, न निष्पक्ष है और न ही सही तरह से रिसर्च करके तैयार की गई है।

अडाणी ग्रुप को हिंडनबर्ग का जवाब- धोखा तो धोखा होता है

अडाणी ग्रुप के रिस्पॉन्स पर हिंडनबर्ग ने भी जवाब दिया है। हिंडनबर्ग ने कहा, "धोखाधड़ी पर इस तरह के जवाब या राष्ट्रवाद का पर्दा नहीं डाला जा सकता है। अडाणी ग्रुप हमारी रिपोर्ट को भारत पर सोचा-समझा हमला बता रहा है। अडाणी ग्रुप अपने और अपने चेयरमैन की बढ़ती हुई आय को भारत के विकास के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है। हम इससे सहमत नहीं हैं।

हम मानते हैं कि भारतीय लोकतंत्र भिन्नताओं को समेटे हुए है। भारत एक उभरती हुई सुपर पावर है, जिसका शानदार भविष्य है। हम यह मानते हैं कि भारत के भविष्य को अडाणी ग्रुप ने पीछे खींच रखा है। जो खुद को देश के झंडे में लपेट कर लूट मचा रहा है। हम मानते हैं कि धोखा... धोखा ही होता है। भले ही यह दुनिया के सबसे ज्यादा अमीरों में शामिल किसी शख्स ने ही क्यों न किया हो। हमने 88 सवाल अपनी रिपोर्ट में पूछे थे और अडाणी ग्रुप इनमें से 62 सवालों के सही तरह से नहीं दिए हैं। इसने हमारी रिसर्च को दरकिनार करने की कोशिश की है।"

- हालाँकि इन 88 सवालों के जवाब में दो अहम सवाल हिंडनबर्ग से भी पूछे जा रहे हैं- पहला, ख़ुद को 'एक्टिविस्ट शॉर्ट सेलिंग' बताने वाली कंपनी अरबों रुपये का मुनाफ़ा भुनाने के लिए तो ऐसा नहीं कर रही और दूसरा सवाल रिपोर्ट की टाइमिंग को लेकर है.
- शुक्रवार को अदानी एंटरप्राइसज़ेज का 20 हज़ार करोड़ रुपये का एफ़पीओ आने वाला था, उससे ठीक पहले क्या इसे जानबूझकर जारी किया गया?

क्या है शॉर्ट सेलिंग ?

इस पूरे मामले को समझने से पहले ये जान लेते हैं कि शॉर्ट सेलिंग आख़िर है क्या, जिसे लेकर कई लोग हिंडनबर्ग की मंशा पर शक जता रहे हैं.दरअसल, शॉर्ट सेलर उसे कहते हैं, जो अपने पास शेयर न होते हुए भी इन्हें बेचता है. (आप सोच रहे होंगे कि ये क्या बात हुई, जब शेयर हैं ही नहीं हैं तो बेचा क्या जा रहा है.

इसे ऐसे समझिए... अगर एक शॉर्ट सेलर को उम्मीद है कि 100 रुपये का शेयर 60 रुपये तक के स्तर तक टूट सकता है तो वह ब्रोकर से शेयर उधार लेकर इसे उन दूसरे निवेशकों को बेच देगा, जो इसे 100 रुपये के भाव पर ख़रीदने को तैयार हैं. जब यह शेयर 60 के स्तर तक गिर जाएगा तो शॉर्ट सेलर इसे ख़रीदकर ब्रोकर को लौटा देगा. इस तरह हर शेयर पर वह 40 रुपये मुनाफ़ा कमा सकता है.

हिंडनबर्ग ने उठाए गंभीर सवाल

अदानी ग्रुप ने विदेशों में बनाई अपनी कई कंपनियों का इस्तेमाल टैक्स बचाने के लिए किया?

रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि टैक्स हेवन देशों (मॉरीशस और कई कैरेबियाई देश- इन देशों में पैसा जमा करने या व्यापार के लिए लगाई गई रकम का स्रोत बताना ज़रूरी नहीं है. साथ ही इन देशों में टैक्स भी काफी कम या नहीं देना पड़ता है) में कई ऐसी फर्जी कंपनियां हैं जिनके पास अदानी समूह की कंपनियों की हिस्सेदारी है.

अदानी समूह ने इस सवाल का सीधे-सीधे कोई जवाब नहीं दिया है. लेकिन कहा, "जहाँ तक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का सवाल है तो समूह की चार बड़ी कंपनियां उभरते बाज़ारों ही नहीं बल्कि दुनिया की उस सेगमेंट या सेक्टर की चोटी की सात कंपनियों में शामिल हैं."

गौतम अदानी के छोटे भाई राजेश अदानी को ग्रुप का एमडी क्यों बनाया गया है, जबकि उनके ख़िलाफ़ कस्टम टैक्स चोरी, आयात से जुड़े फ़र्ज़ी काग़ज़ात तैयार करने और अवैध कोयले का इंपोर्ट करने का आरोप लगाया गया था.

गौतम अदानी के बहनोई समीर वोरा अहम पद पर क्यों? समीर का नाम बेनामी कंपनियों के ज़रिये डायमंड ट्रेडिंग में आने के बाद भी उन्हें अदानी ऑस्ट्रेलिया डिवीजन का एक्जीक्यूटिव डायेरक्टर क्यों बनाया गया है.

गौतम अदानी के भाई विनोद अदानी के ख़िलाफ़ भी सरकारी एजेंसियां जाँच कर रही हैं. उनके ख़िलाफ़ विदेशों में फ़र्जी कंपनियों के ज़रिये अरबों डॉलर अदानी की कंपनियों में लगाने के आरोप हैं, जिसमें हवाला की रकम भी शामिल है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस रकम के ज़रिये अदानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों के भाव बढ़ाए गए.

अदानी समूह का कहना है कि हिंडनबर्ग के 88 में से 21 सवाल वो हैं जो पहले से ही सार्वजनिक हैं. हिंडनबर्ग का ये दावा ग़लत है कि ये उनकी दो साल से अधिक की जाँच पर आधारित हैं, जबकि जिन नतीजों पर वो पहुँचा है वो दस्तावेज़ 2015 के बाद से कंपनी ने ख़ुद अलग-अलग मौकों पर जारी किए (डिस्क्लोज़र) हैं. ये सवाल लेन-देन, राजस्व विभाग और अदालती मामलों से जुड़े हैं.

अदानी समूह की कुछ कंपनियों के ऑडिटर्स पर सवाल- अदानी इंटरप्राइसेज़ और अदानी टोटल गैस का ऑडिट ऐसी कंपनी से कराया गया जो बहुत छोटी है और इसकी कोई वेबसाइट तक नहीं है. इसके चार पार्टनर्स और 11 कर्मचारी हैं और ये ऑडिट कंपनी सिर्फ़ एक और सूचीबद्ध कंपनी का ऑडिट ही करती है. रिसर्च कंपनी का आरोप है कि ऐसे में इस कंपनी के लिए ऑडिट और भी मुश्किल हो जाता है, जबकि अदानी इंटरप्राइसेज़ की 156 सब्सिडियरियां हैं और कई जॉइंट वेंचर्स हैं.

इस पर **अदानी समूह का जवाब** है कि सूचीबद्ध नौ में से आठ कंपनियों की ऑडिटिंग छह बड़े ऑडिटर्स करते हैं. अदानी टोटल गैस की ऑडिटिंग भी छह बड़े ऑडिटर्स में से किसी एक को सौंपे जाने की योजना है.

आय और बैलेंसशीट में हेर-फेर? हिंडनबर्ग ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया है कि अदानी समूह की कुछ कंपनियों में आय को वास्तविक से अधिक दिखाया गया और बैलेंसशीट के साथ हेरफेर किया गया.

अदानी समूह का जवाब है कि जहाँ तक ग्रुप की कंपनियों की आय बढ़ाकर दिखाने या इनकी बैलेंसशीट में हेरफेर के आरोप की बात है तो नौ सूचीबद्ध कंपनियों में से छह कंपनियां आय, लागत और विस्तार पर खर्च के लिए उस सेक्टर विशेष की नियामक संस्था की समीक्षा के दायरे में आती हैं, जो नियमित रूप से होती है.

अदानी समूह पर कर्ज़ का भारी बोझ? रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रमोटर्स ने शेयरों को गिरवी रखकर उधार लिया है, अदानी ग्रुप पर कर्ज़ का भारी बोझ बड़ी समस्या है.

अदानी समूह: जहाँ तक शेयरों पर उधार लेने का सवाल है तो ये उधारी प्रमोटर्स होल्डिंग की चार फ़ीसदी से भी कम है.

निवेशक और विश्लेषक पहले भी अदानी समूह की शेयर बाज़ार में लिस्टेड कंपनियों पर कर्ज़ के बोझ को लेकर चिंता ज़ाहिर कर चुके हैं. स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक मार्च 2022 के अंत तक अदानी समूह की छह कंपनियों अदानी इंटरप्राइसेज़, अदानी ग्रीन एनर्जी, अदानी पोर्ट्स, अदानी पावर, अदानी टोटल गैस और अदानी ट्रांसमिशन पर 1.88 लाख करोड़ रुपये का कर्ज़ था.

रेफ़िनिटिव ग्रुप द्वारा जारी आंकड़े भी बताते हैं कि अदानी ग्रुप की सात सूचीबद्ध कंपनियों पर कर्ज़ उनके इक्विटी से ज़्यादा है. अदानी ग्रीन एनर्जी पर तो इक्विटी से दो हज़ार प्रतिशत ज़्यादा कर्ज़ है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि अदानी ग्रुप की भारतीय शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध सात कंपनियों के शेयरों की कीमत इसी सेक्टर की प्रतिस्पर्धी कंपनियों के मुक़ाबले बहुत अधिक मूल्य पर हैं और इनका वैल्यूएशन 85 प्रतिशत से अधिक है.

हिंडनबर्ग अपनी रिपोर्ट में कहता है, "अगर आप हमारी जाँच रिपोर्ट को नकार भी दें और अदानी समूह के वित्तीय लेखा-जोखा का बारीक विश्लेषण करें तो आप पाएंगे कि इसकी सात लिस्टेड कंपनियों में 85 पर्सेंट तक की गिरावट की संभावना है और वजह साफ़ है कि शेयरों का वैल्यूएशन आसमान की ऊँचाई पर है."

रिपोर्ट की विश्वसनीयता का दावा

हिंडनबर्ग का दावा है कि उसकी रिपोर्ट दो साल तक चली रिसर्च के बाद तैयार हुई है और इसके लिए अदानी ग्रुप में काम कर चुके पूर्व अधिकारियों के साथ-साथ कई अन्य लोगों से भी बात की गई है और कई दस्तावेज़ों को आधार बनाया गया है.

कंपनी का दावा है कि उसके पास निवेश को लेकर दशकों का अनुभव है. वैसे तो फाइनेंशियल रिसर्च वाली हर कंपनी ऐसा दावा करती है, लेकिन इस कंपनी के पास ऐसा क्या खास है?

कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि निवेश के लिए फ़ैसले देने के लिए वो विश्लेषण को आधार तो बनाती है ही, साथ ही वह इन्वेस्टिगेटिव रिसर्च और सूत्रों से मिली ऐसी गुप्त जानकारियों पर रिसर्च करती है, जिन्हें खोज निकालना काफी मुश्किल होता है.

अदानी समूह को हिंडनबर्ग रिपोर्ट सामने आने के बाद से अब तक कुल 5.6 लाख करोड़ रुपये का नुक़सान हुआ है.

टाइम्स ऑफ़ इंडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक़, पिछले तीन बिज़नेस डेज़ यानी 25, 27 और 30 जनवरी को हुई ट्रेडिंग में अदानी समूह की बाज़ार पूंजी में 29 फ़ीसद की गिरावट दर्ज की गयी है. इसकी क़ीमत भारतीय मुद्रा में लगभग 5.6 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है.अदानी समूह ने रविवार की शाम अमेरिकी फ़ॉरेंसिक फ़ाइनेंशियल कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर अपना 413 पन्नों लंबा जवाब दिया था.अदानी समूह ने अपने जवाब में इस रिपोर्ट को 'भारत पर हमला' क़रार दिया था. लेकिन इसके बाद भी सोमवार को बाज़ार बंद होने तक अदानी समूह से जुड़ी ज़्यादातर कंपनियों के शेयर मूल्यों में गिरावट दर्ज की गयी.

ये रिपोर्ट आने के बाद से अदानी समूह के संस्थापक गौतम अदानी की नेटवर्थ में भी गिरावट दर्ज की गयी है.

इसकी वजह से वह दुनिया के पांच सबसे अमीर लोगों की सूची से बाहर हो गए हैं. फ़ोर्ब्स रियलटाइम बिलियनेर लिस्ट के मुताबिक़, गौतम अदानी इस समय अपनी 88.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के आठवें सबसे अमीर शख़्स हैं.हालांकि, इस पूरे एपिसोड में अदानी समूह के लिए अबू धाबी से राहत की ख़बर आई है.

अबू धाबी के शाही परिवार से जुड़ी इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी ने अदानी समूह के एफ़पीओ में 3,260 करोड़ रुपये का निवेश करने का एलान किया है.

अंग्रेजी अख़बार **द टेलीग्राफ़** में प्रकाशित ख़बर के मुताबिक़, अदानी समूह ने फ़ॉलो ऑन पब्लिक ऑफ़र के ज़रिए 4.55 करोड़ शेयर बाज़ार में उतारे थे जिसमें से अबू धाबी ने 16 फ़ीसद शेयर ख़रीदने का एलान किया है.

अदानी समूह के इस एफ़पीओ को ख़रीदने की अंतिम तारीख़ 31 जनवरी है, लेकिन सोमवार के दिन का बाज़ार ख़त्म होने तक इसके सिर्फ़ तीन फ़ीसद शेयरों को ख़रीदा गया था.

हालांकि, **हिंदू बिज़नेस लाइन** ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में बताया है कि मंगलवार को अदानी समूह के एफ़पीओ में दुबई और भारत स्थित कुछ फ़ैमिली ऑफ़िसों से 9000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा सकता है.

फ़ैमिली ऑफ़िस से आशय उन फ़र्मों से है जो बेहद अमीर लोगों को उनकी संपत्ति को संभालने में मदद करती हैं.अख़बार को सूत्रों ने बताया है कि ऐसे कई फ़ैमिली ऑफ़िसेज़ ने अदानी समूह में अपनी रुचि दिखाई है जिसकी औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है.ये निवेश अबू धाबी की ओर से 3200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ-साथ एंकर निवेशकों की ओर से छह हज़ार करोड़ के अतिरिक्त होगा.

2023 विधानसभा चुनाव- त्रिपुरा

आदिवासी राजा प्रद्योत माणिक्य देववर्मन होंगे त्रिपुरा के किंगमेकर

□ राजेन्द्र द्विवेदी , त्रिपुरा

2023 में 9 राज्यों के चुनाव होने है। 9 राज्यों के चुनाव परिणाम 2024 के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 2023 के शुरू में पूर्वी भारत के 3 राज्यों नागालैंड, मेघालय और त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान है। इनमें त्रिपुरा का चुनाव परिणाम भाजपा के लिए बहुत अहम है क्योकि 2018 में भाजपा ने असम के बाद 28 वर्षों से जमे सीपीएम की सरकार को दो तिहाई बहुमत से करारी शिकस्त दी थी। जबकि इसके पहले त्रिपुरा राज्य के गठन 1972 से लेकर 2013 तक सीपीएम और कांग्रेस के बीच ही सिधी लड़ाई होती रही है। भाजपा भी पिछले कई चुनाव लगातार लड़ रहीहै। 1 से लेकर 1.5% तक वोट मिलते थे लेकिन कभी भी 1 सीट तक जीत नही पायी। 2018 में मिली सफलता को 2023 में बनाये रखने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री भारत सरकारअमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा लगातार मीटिंग और रोड शो कर रहे है। 2023 का चुनाव 2018 से अलग है और नए समीकरण बने है। वर्षों से आमने सामने रहने वाले वाम दल एवं कांग्रेस एक साथ लड़ रहे है। ममता बनर्जी भी 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सबसे रोचक चुनाव आदिवासी राजा के वंशज प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देबबर्मन इनका आदिवासियों में बहुत अच्छा प्रभाव है। त्रिपुरा वर्ष का पहला चुनाव है। इसके बाद कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़,

तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने है। जिन राज्यों में चुनाव होने है उनमें लोक सभा की 116 सीटें आती है। अडानी प्रकरण के बाद जिस तरह से विपक्ष मोदी पर हमलावर है अगर त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनाने में सफल नहीं हुई तो मोदी को लेकर एक नकारात्मक परशेप्शन पूरे देश में चला जायेगा जिसका आने वाले राज्यों के विधान सभा चुनाव एवं 2024 में लोक सभा चुनाव में हो सकता है। लेकिन अगर त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनाने में सफल रही तो मोदी के खिलाफ चलाये जा रहे विपक्ष का अभियान कमजोर होगा और जैसाकि मोदी कहते है कि उन्हें जनता का आशीर्वाद है उस पर मोहर भी लग जाएगी। पिछले 4 दिनों से वेस्ट त्रिपुरा के कई ST/SC विधानसभा Simna, Mandaibazar एवं सामान्य विधानसभा क्षेत्रों से विभिन्न वर्गों के मतदाताओं से बातचीत किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 तारिख को गोमती जनपद के उदयपुर में प्रधानमंत्री और 12 तारिख को अमित शाह की रैली एवं अगरतल्ला में रोड शो को देखा। राजा प्रद्योत बिक्रम की रैलियां भी देखी। भाजपा की रैली एवं राजा प्रद्योत बिक्रम की रैली में भारी संख्या में भीड़ जुट रही है। पिछले दिनों जिस रेवड़ी कल्चर को लेकर प्रधानमंत्री विपक्ष पर आरोप लगाते थे लेकिन उसी रेवड़ी कल्चर को भाजपा त्रिपुरा में प्रयोग कर रही है। अमित शाह मेघावी बच्चियों को स्कूटी देने तथा अन्य कई तरह के सीधे लाभ देने की बात मीटिंग में कहते है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा पूरी तरह से डेरा डाले है। त्रिपुरा में दौरे के समय पूरे राज्य में गांव हो या शहर, गली और सड़कों के दोनों तरफ ढाई ढाई फ़ीट के भाजपा के झंडे लहराते हुए दिख रहे है। पूरे त्रिपुरा में एक इवेंट की तरह भाजपा का आक्रामक प्रचार चल रहा है। संसाधनों के मामले में विपक्ष पूरे त्रिपुरा में बहुत कमजोर है। भाजपा बड़ी बड़ी रैलियां कर रही है। प्रधानमंत्री से लेकर सभी बड़े नेता बड़ी रैलियों को सम्बोधित कर रहे हैं। वही सीपीएम और कांग्रेस छोटी छोटी रैलियां कर रही है। राजा प्रद्योत बिक्रम अकेले प्रचारक है। लगातार रैलियां और मीटिंग कर रहे है। जिसमे उन्हें आदिवासी क्षेत्रों में व्यापक जनसमर्थन दिखाई दे रहा है। 2018 में सीपीएम के 28

वर्षों के सरकार को हटाने के लिए भाजपा के साथ आदिवासी, छोटे छोटे दल, राजा प्रद्योत बिक्रम तथा कांग्रेस के प्रभावशाली नेता सुदीप देव वर्मन एकजुट होकर भाजपा के साथ खड़े थे जिसका अप्रत्याशित लाभ भाजपा को मिला और 2013 में 49 सीटों पर रहने वाली सीपीएम 16 सीटों पर सिमट गयी। सीपीएम को हटाने के लिए भाजपा के समर्थन में सभी के एकसाथ आने से 2013 में 2% से कम पाने वाली भाजपा 43% से अधिक मत पाकर 36 सीटें जीती।

2023 में ऐसा नहीं है। लड़ाई कई सीटों पर त्रिकोणीय तो कई सीटों पर चतुर कोणीय बन गयीहै। कल 13 तारिख को प्रधानमंत्री को अगरतल्ला में एक बड़ी रैली होगी। त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला से लेकर आसपास के क्षेत्र पोस्टर बैनर कट आउट से पट गए हैं। लेकिन इस सबमें एक महत्वपूर्ण बात मोदी के प्रति लोगों का समर्थन दिखाई दे रहा है और मोदी के नाम पर जनसमर्थन तथा 5 किलो अनाज, हर घर नल, उज्ज्वला, जनधन, किसान निधी यही योजनाएं भाजपा की ताकत है। मोदी का प्रभाव महिला मतदाताओं में अधिक दिखाई दे रहा है। गठबंधन के नाम पर IPFT बहुत कमजोर है उनका ST में प्रभाव 2018 की तरह नहीं रहा। भाजपा के लिए अहम ST की 20 सीटें हैं जहाँ पर 2018 में गठबंधन के साथ मिलकर 18 सीटें जीती थी। इस बार ST सीटों पर राजा प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देबबर्मन को व्यापक समर्थन मिल रहा है जिससे भाजपा का नुकसान हो सकता है। मतदान को 2 दिन बच्चे है। पूरे त्रिपुरा में झंडा, बैनर, कटआउट, रैलियां दिखाई दे रहे है इसका भी प्रभाव फ्लोटिंग मतदाताओं पर है। जिसका लाभ भी भाजपा को मिल सकता है लेकिन इन तमाम संसाधन, बड़े बड़े नेताओं की रैली, प्रधानमंत्री की लोकप्रियता, कल्याणकारी योजनाएं आदि के बाद भी भाजपा 2018 जैसी स्थिति में अभी नहीं दिखाई दे रही है। सीपीएम कांग्रेस गठबंधन, प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देबबर्मन की मोथा पार्टी, ममता की TMC अलग अलग सीटों पर भाजपा से लड़ाई लड़ रहे है। अगर हम वर्तमान राजनीतिक सियासत एवं पुराने चुनाव परिणाम का विश्लेषण करे तो बहुत सारे समीकरण बनते बिड़ते दिख रहे है जिस से लग रहा है कि भाजपा का मोदी फैक्टर आदि वासियों में चल गया तो 2018 की तरह चौकाने वाले परिणाम हो सकते है। 16 फरवरी को मतदान है। किसे लाभ किसे हानि होगी यह 2 मार्च चुनाव परिणाम आने के बाद तय होगा।

त्रिपुरा पूर्वी भारत का एक छोटा सा राज्य है जिस की सीमा बांग्लादेश से मिलती है। इसका गठन 21 जनवरी 1972 को हुआ। इसके पहले यह एक केंद्र शासित प्रदेश था। 2018 से पहले त्रिपुरा की सियासत कांग्रेस और वामदलों के बीच ही घूमती रही। 1993 से 2018 तक लगातार 28 वर्षों तक सीपीएम की सरकार रही। पश्चिम बंगाल में 2011 में ममता के मुख्यमंत्री बनने के बाद ऐसा लगा था कि त्रिपुरा में सीपीएम का विकल्प टीएमसी बन सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। सीपीएम 1993 से लेकर 2018 तक लगातार सत्ता में बनी रही। वामपंथी सरकार से परेशान त्रिपुरा की जनता पश्चिम बंगाल की तरह विकल्प ढूंढ रही थी, जिसका लाभ 2018 में भाजपा ने उठाया। त्रिपुरा राज्य में 70% बंगाली और 30% त्रिपुरी आबादी है। 54% आबादी अनुसूचित जनजाति और 18% अनुसूचित जाति की जनसंख्या है। जिनमें 83% हिन्दू, 9% मुस्लिम, 4.5% ईसाई, 3.5% बौद्ध रहते है।SC और ST की आबादी 70% से अधिक होने के कारण प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में 20 सीटें ST और 10 सीटें SC के लिए सुरक्षित है। शेष 30 सीटें अनारक्षित है। 35 वर्षों से लगातार सीपीएम को सरकार से हटाने में कांग्रेस नाकाम रही। जिसके कारण क्षेत्रीय दलों ने सीपीएम से लड़ाई लड़ते रहे। तमाम विसंगतियों के कारण स्थानीय स्तर पर जनजातियों में विद्रोह की स्थिति बनी थी। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक समीकरण के अनुसार भाजपा ने दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओ को पार्टी में शामिल कराया। जिसका उसे लाभ मिला।

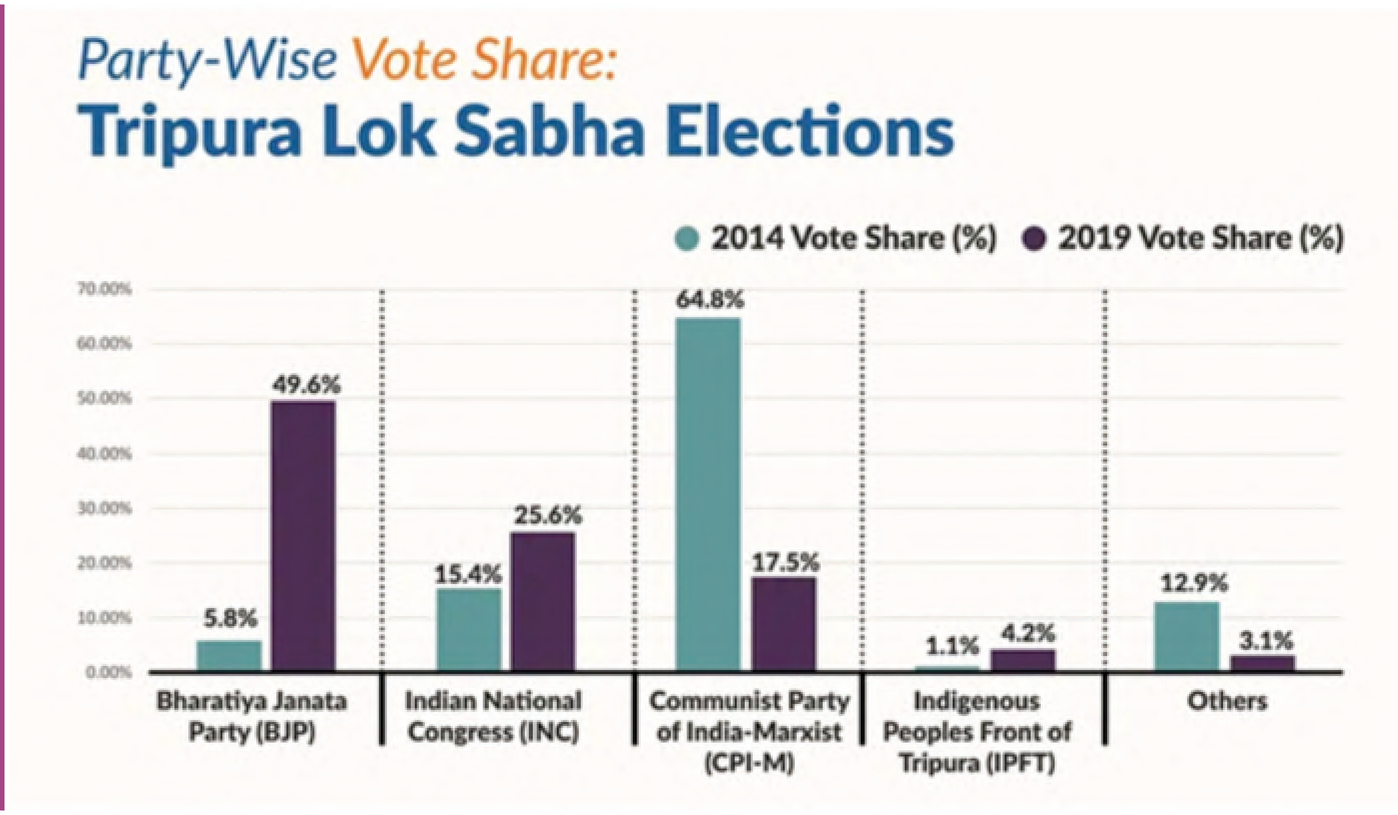

विधानसभा चुनाव 2018 भाजपा के जीत कारण

भाजपा ने कांग्रेस के प्रभावशाली नेता सुदीप रॉयबर्मन को पार्टी में शामिल कराया। सुदीप रॉय त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री समीर रंजनवर्मन के पुत्र थे और 1998 से लगातार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतते रहे। बर्मन का राजनीतिक प्रभाव कांग्रेस के मतदाताओं में रहा। दूसरा भाजपा ने IPFT से समझौता किया। IPFT का अनुसूचित जाति में काफी प्रभाव है। सबसे महत्वपूर्ण प्रद्योत बिक्रम माणिक्य वर्मन राजशाही परिवार के वंशज है, उनका समर्थन हासिल किया। सीपीएम सरकार का विकल्प ढूंढ रहे जनता को भाजपा के रूप में विकल्प मिला। भाजपा 35 सीटों पर चुनाव जीती और 43.40% मत मिला। भाजपा गठबंधन से IPFT 9 सीटों पर चुनाव लड़ी और 8 सीटें जीती और 7.35% मत मिले।

IPFT और राजशाही घराने का समर्थन मिलने से भाजपा गठबंधन ने 20 ST सीटों में से 18 सीटें जीती और SC की 10 सीटों में 8 सीटें जीती। IPFT जिसका अनुसूचित जनजातियों में सबसे अधिक प्रभाव था उसे गठबंधन में ST सीटों की 9 सीटें दी गयी जिसमें 8 सीटें जीती। SC बाहुल्य क्षेत्रों में कांग्रेस के सुदीप रॉय वर्मन का प्रभाव था जिनके भाजपा में शामिल होने से 10 सुरक्षित सीटों में 8 में भाजपा सफलता हासिल की। कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला जबकि 2013 में 49 सीटें जीतने वाली सीपीएम 16 सीटों पर सिमट कर रह गयी और उनका मत प्रतिशत 48% से घटकर 43% हो गया। कांग्रेस जिसे 2013 में 36% मत और 10 सीटें जीती थी वह मात्र 1.8% मत पर सिमट गयी और 1 भी सीट नहीं मिली। IPFT भाजपा गठबंधन के साथ 8 सीट जीती एवं 7.5% वोट मिले। भाजपा को 43.59% मत मिले थे और सीपीएम को 42.22 मत, मात्र 1.37% वोट कम होने पर सीपीएम 16 और भाजपा को 35 सीटों पर पहुंच गई थी।भाजपा के IPFT गठबंधन एवं प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देव वर्मा के समर्थन के कारण अन्य क्षेत्रीय दल हाशिये पर चले गए।

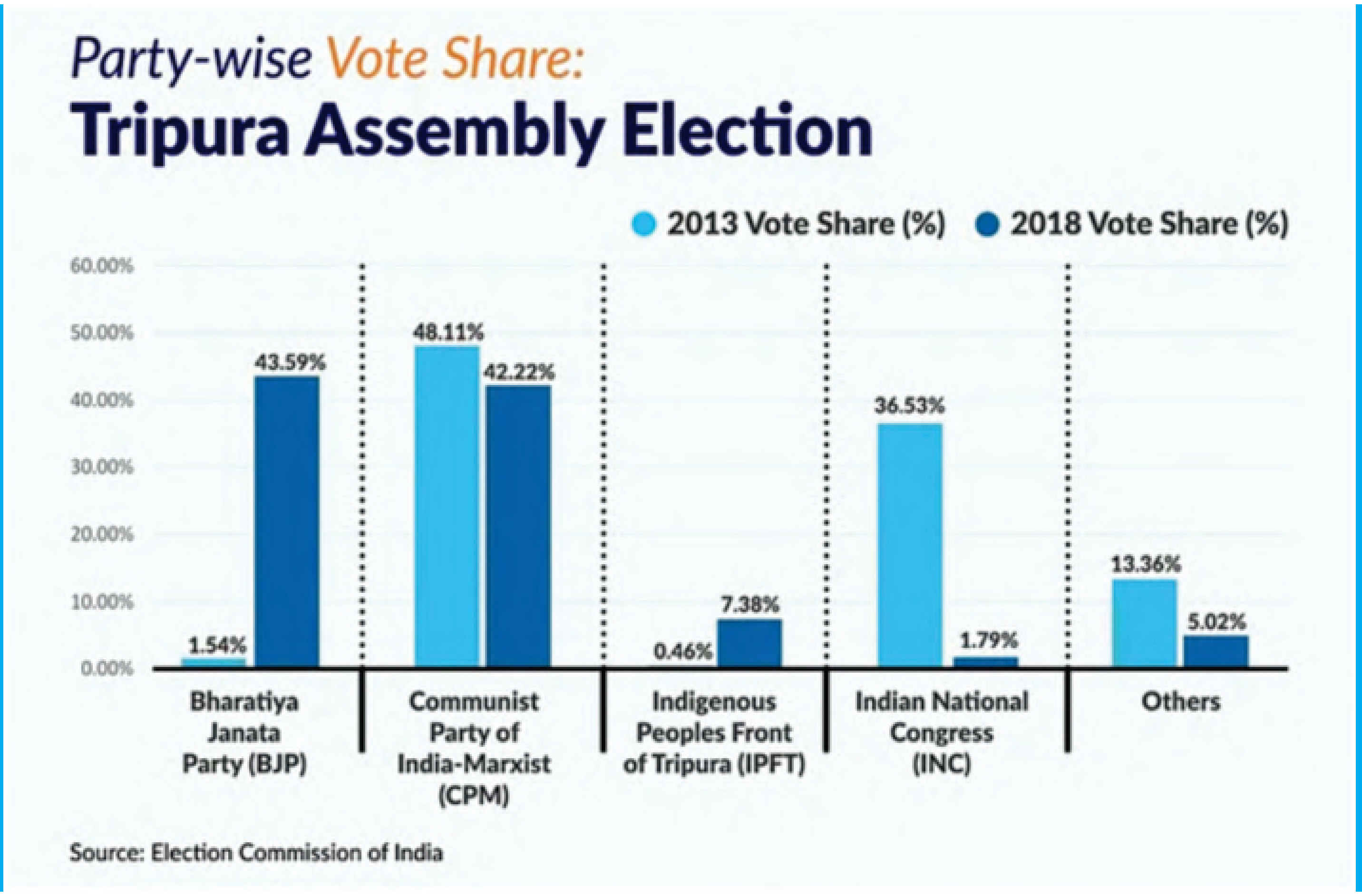

2023 विधानसभा चुनाव की चुनौती

भारतीय जनता पार्टी 5 साल सत्ता में रहने के बाद 2023 में नए चुनौतियों का सामना कर रही है। सबसे बड़ी चुनौती त्रिपुरा के राजा प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देववर्मा की नवगठित त्रिपुरा मोथा पार्टी दे रही हैं। राजा का अनुसूचित जनजातियों में बहुत प्रभाव है और उन्हें भगवान के रूप में सम्मान दिया जाता है।

20 ST विधानसभा में राजा का जबरदस्त प्रभाव है। उनकी रैलियों में भारी संख्या में आदिवासी महिलाओं आती है। प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देववर्मा स्वयं चुनाव नहीं लड़ रहे है लेकिन ST की 20 और SC की 6 सीटें सहित 42 सीटों पर उनके दल के प्रत्याशी मैदान में है। SC और ST की इन 30 सीटों में भाजपा को 18 तथा IPFT को 8 सीटें मिली थी। 30 में से 26 सीटें भाजपा गठबंधन की थी। इन ST और SC सीटों पर मोथा पार्टी भाजपा को 2018 में किये गए वादों की याद दिलाती है। मोथा पार्टी का नेतृत्व कर रहे प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देववर्मा बंगाली हैं और त्रिपुरा की 70% आबादी भी बंगाली है। इसका भी लाभ मोथा पार्टी को SC और ST अलावा अन्य जाति एवं धर्म के मतदाताओं में मिल रहा है। देव वर्मन भाजपा पर सीधे आरोप लगाते है कि गृहमंत्री भाजपा सरकार अमित शाह दिल्ली से आते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन कोई भी वादा भाजपा ने पूरा नहीं किया। मोथा पार्टी मतदाताओं में भाजपा द्वारा किये गए वादे- मिस कॉल करो, नौकरी पाओ, स्मार्टफ़ोन, त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत जिला परिषद को अधिक अधिकार देने की बात कही थी, लेकिन नहीं दिया। इसी तरह के तमाम आरोपों के साथ त्रिपुरा जनजातीय कल्याण के लिए भारत के संविधान के अनुछेद के तहत ग्रेटर

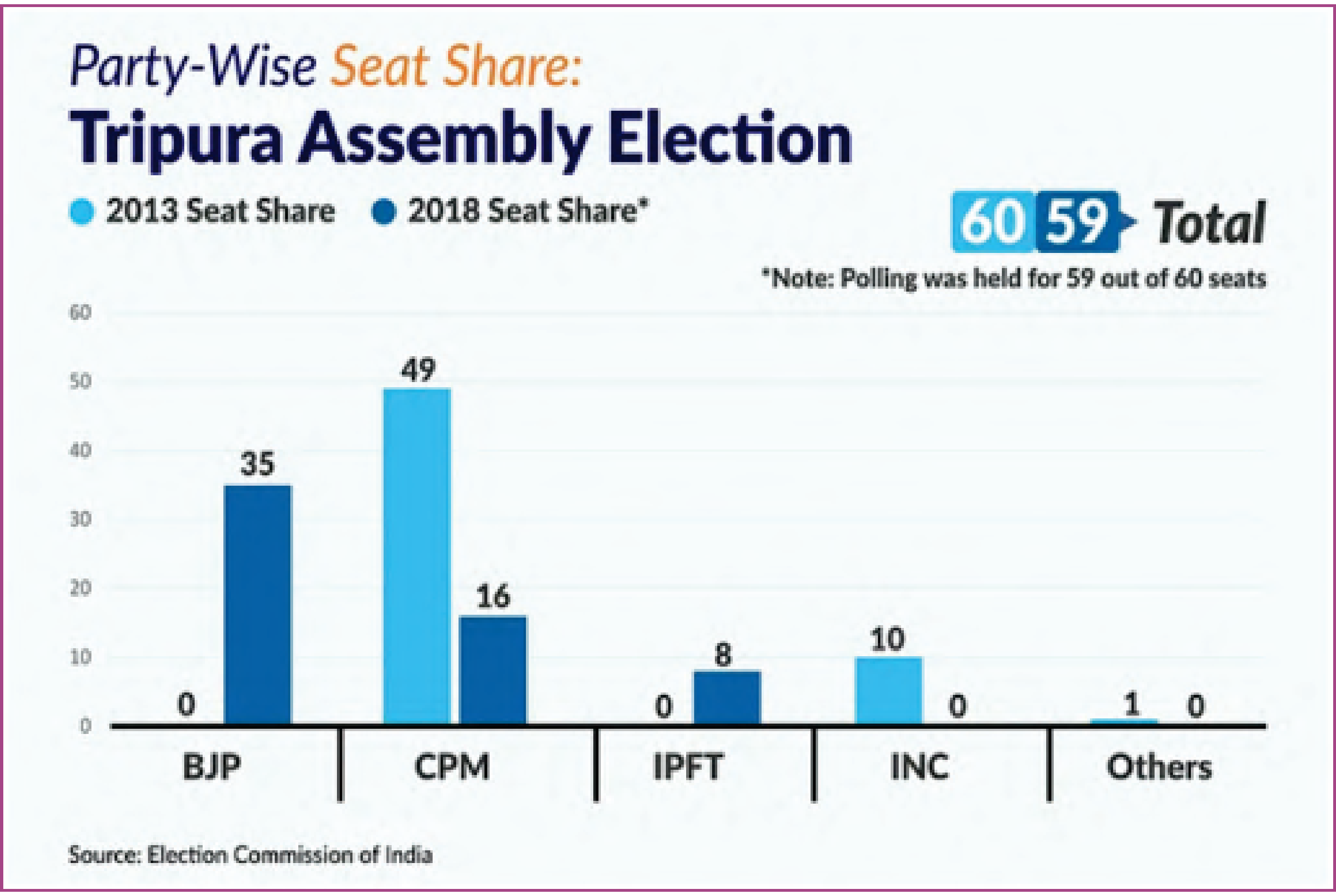

टिपरालैंड नामक नए राज्य निर्माण की मांग भी करते है। टिपरा मोथा पार्टी का नारा है-

(पोइला जाति उबालो जातिऔर पुइलाजाति उलोजाति)

मतलब समुदाय पहले पार्टी बाद में। टिपरा मोथा पार्टी पर काँग्रेस एवं वांम दलों के मदद करने के आरोपों पर प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देव वर्माइस का खंडन करते हुये जनजातियों में संदेश दे रहे है कि वह त्रिपुरा के अंतिम राजा के वंसज होने के कारण कम्युनिस्ट का कभी भी सहयोग नहीं कर सकते। बीमार होने के बाद भी लगातार रैलियों में जार हे हैंऔर काफी भीड़ जुटती है। भाजपा के लिए मोथा पार्टी एसटी की 20 और एससीकी 6 सीटों पर कड़ी चुनौती दे रही है। आदिवासी राजा मोथा पार्टी को राजनीतिक दल नहीं, मूवमेंट की बात कहते है और आदिवासियों की भूमि, संस्कारऔरअधिकार की मांग उठा रहे हैं। जिसका उन्हें व्यापक समर्थन मिल रहाहै।

2018 में 20 सीटों में 10 भाजपा 8 आईपीएफटी गठबंधन 18 सीटें जीती थी। उनमें कई सीटें बहुत कम मतों के अंतर से जीत हुई है। भाजपा की सहयोगी में प्रभाव था। राजा का समर्थन था तब गठबंधन को 20 में 18 सीटें मिली थी। आईपीएफ़टी का ज्यादा प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देव वर्मा का प्रभाव दिखाई दे रहा है और उनकी रैलियों में भीड़ भी हो रही है। प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देव वर्मा राजा काँग्रेस से जुड़े रहे। 2019 में उनकी बहन ने काँग्रेस का लोक सभा का चुनाव लड़ा था। त्रिपुरा ईस्ट से प्रज्ञा देव वर्मन हार गयी उन्हें 2 लाख 77 हजार वोट मिले थे। मोथा पार्टी का प्रभाव जीत से ज्यादा भाजपा गठबंधन और काँग्रेस सीपीएम गठबंधन को जबर्दस्त त्रिकोणात्मक लड़ाई के बीच खड़ा कर दिया है।

अनुसूचित जाति की सुरक्षित 10 सीटों में 6 सीटों पर मोथा

पार्टी लड़ रही है। इनमें भी 18 से 22% अनुसूचित जनजाति मतदाता हैं। इन सीटों पर मोथा पार्टी ने भाजपा के लिए कड़ी चुनौती पैदा कर दी है। लड़ाई को त्रिकोणात्मक बना दिया है। कई सीटों पर TMC के मजबूत प्रत्याशी भी चुनौती दे रहे हैं। मोथा पार्टी के आदिवासी राजा प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देव वर्मा के आक्रामक चुनाव प्रचार और आदिवासियों के मांगे जा रहे है अधिकारों पर व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। चुनाव में फायदा नुकसान चुनाव परिणाम आने के बाद पता चलेगा। लेकिन जो जमीनी हालात और समर्थन मोथा पार्टी को मिल रहा है उसे देखते हुए किंग मेकर की भूमिका में भी मोथा पार्टी आ सकती है।

वामपंथ एवं कांग्रेस गठबंधन

दशकों से आमने सामने सीधी लड़ाई लड़ने वाली सीपीएम और कांग्रेस मजबूरी में भाजपा के सामने एकजुट हुए हैं। त्रिपुरा राज्य गठन से लेकर 2013 तक कांग्रेस और सीपीएम आमने सामने लड़ती रही। गत 35 वर्षों से सीपीएम सरकार में थी। 2018 के पहले 2013 विधानसभा चुनाव परिणाम देखे को सीपीएम को 48.11% मत और 49 सीटें मिली थी जबकि कांग्रेस 36.73% मत पाकर 10 सीटें जीती थी। सीपीआई 1 सीट और भाजपा को 1.54% मत मिले और खाता नहीं खुला था। 2018 में भाजपा ने पूर्वी भारत में असंम के बाद त्रिपुरा में अप्रत्याशित पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और 2023 में भी आक्रामक रणनीति एवं मोदी के चेहरे पर सरकार बनाने का प्रयास कर रही है। 2018 में कांग्रेस 2013 की तरह 1.79% मत और शून्य सीटें थी यही नहीं 59 प्रत्याशियों में से 58 की जमानत तक जप्त हो गयी थी। सीधी लड़ाई सीपीएम और भाजपा गठबंधन के बीच रही। भाजपा ने 51 सीटों पर लड़ी 35 जीती और 16 दूसरे स्थान पर रही जबकि सीपीएम 57 सीटों पर लड़ी 14 जीती और 41 पर दूसरे स्थान पर रही। 2018 के परिणामों को देखते हुए ही सीपीएम 43 और कांग्रेस 13 तथा सीपीआई, RSP, आल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और एक निर्दलीय के गठबंधन के साथ सभी 60 सीटों पर चुनाव मैदान में है। इस गठबंधन की ताकत सीपीएम के साथ कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे सुदीप राय बर्मन का भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में वापसी भी है। लेकिन यह गठबंधन ऊपरी नेताओं में ज्यादा जबकि जमीन में कार्यकर्ताओं के बीच बहुत कम दिखाई दे रहा है। वर्षों तक आमने सामने लड़ने वाले सीपीएम और

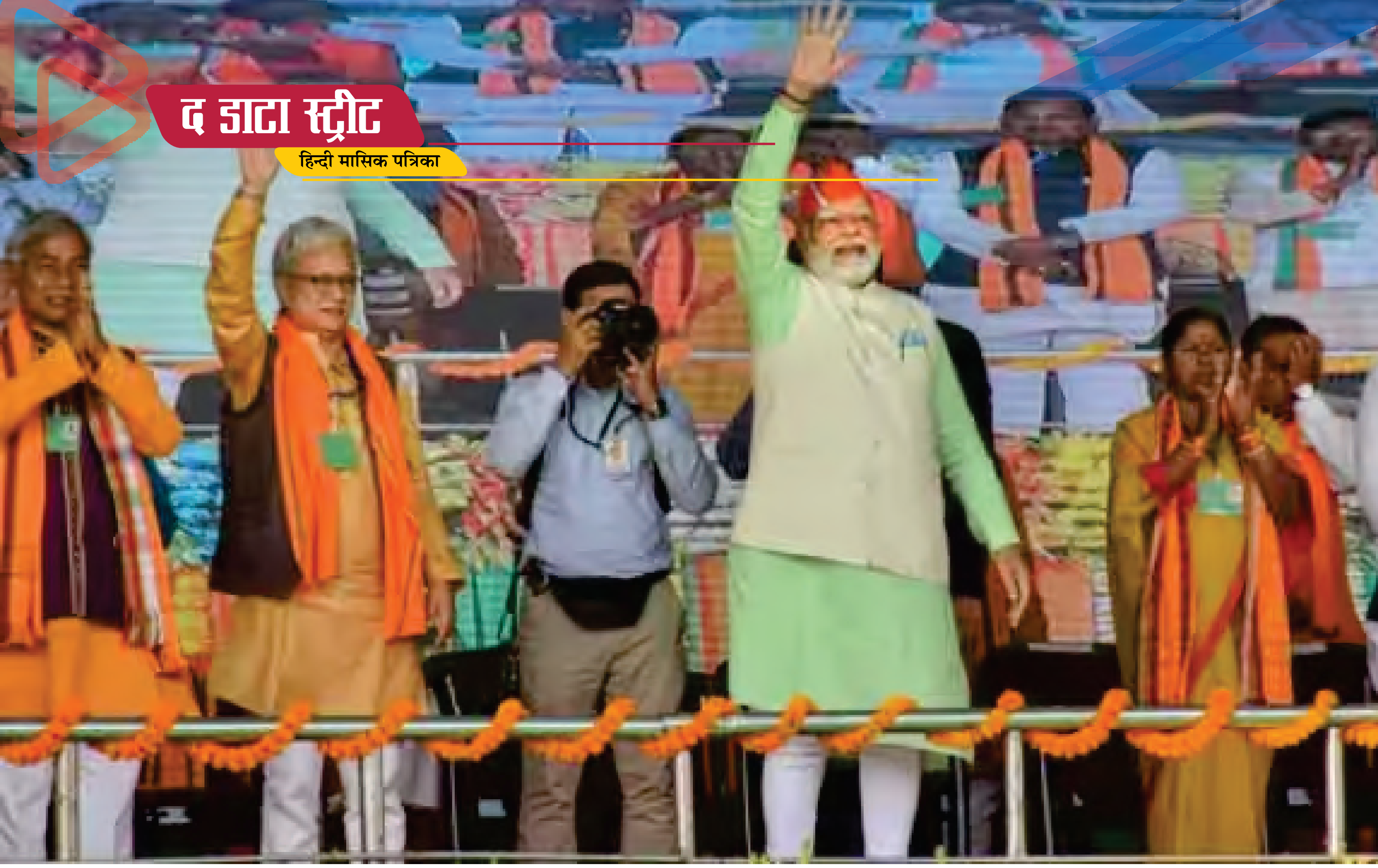

कांग्रेस कार्यकर्त्ता चुनाव में एक साथ नहीं दिख रहे है जिसका लाभ भाजपा को मिलने की उम्मीद है।

भाजपा गठबंधन

भाजपा पूर्वी भारत में दूसरी बार असम में सरकार बनाने वाली भाजपा त्रिपुरा में भी दूसरी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी है। भाजपा के प्रभाव को देखते हुए वर्षों से एक दूसरे के खिलाफ लड़ने वाले सीपीएम और कांग्रेस एक साथ होकर चुनौती देने में जुटे हैं। 2018 में ST और SC से जुडी पार्टियां एवं आदिवासी राजा का एकतरफ़ा मिला समर्थन 2023 में भाजपा के लिए नई चुनौती बन गया है। आदिवासी राजा ने मोथा पार्टी बनाई 26 सीटों पर लड़ रही है। भाजपा 2018 की IPFT से समझौते में है लेकिन इसबार 9 सीटों के साथ पर 5 सीटें दी है। 55 पर भाजपा और 5 पर IPFT लड़ रही है। भाजपा ने इसबार त्रिपुरा में बोक्सा नगर से तफज्जुल हुसैन और कैलाश हरसेमुबारक अली 2 मुस्लिम प्रत्याशी को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि त्रिपुरा में मात्र 8 प्रतिशत मुस्लिम है। यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पसमांदा मुसलमान को जोड़ने के लिए कहा था उसी रणनीति के तहत 2023 के शुरुवात में हो रहे त्रिपुरा राज्य चुनाव में 2 मुसलमानों को प्रत्याशी बनाया गया है। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो देश के अन्य राज्यों में भाजपा मुसलमान प्रत्याशी उतार सकती है। त्रिपुरा में हिन्दू मुस्लिम का चुनाव नहीं होता लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी ताकत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा तथा उनके द्वारा चलाई जा रही गरीबो के लिए कल्याणकारी योजनाएं है। ST सीटों वाले क्षेत्रों में मोथा पार्टी में आदिवासी राजा के समर्थन में भीड़ जुटती है। समर्थन और अधिकारों की मांग उठती है लेकिन इन सबके बाद भी प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा लोकप्रिय बना हुआ है। कल्याणकारी योजनाएं जिनमे 5 किलो अनाज , शौचालय, बिजली, हर घर नल व अन्य सीधे लाभ देने वाली योजनाओं का प्रभाव सीधे आदिवासियों में दिखाई दे रहा है। संसाधनों और प्रचार तंत्र तथा स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे

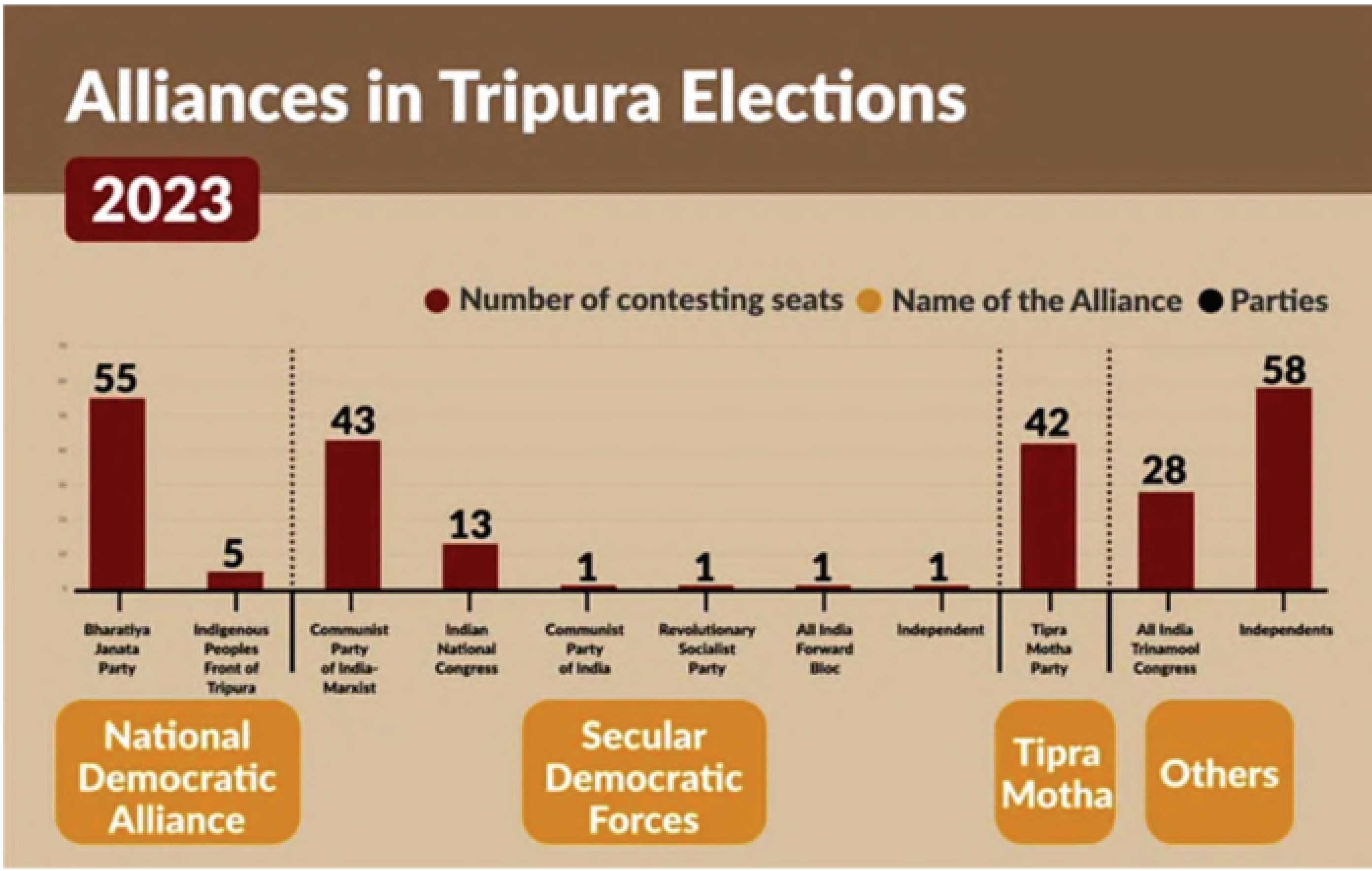

नेताओं को जोड़ने में भाजपा काफी सफल है। मोथा पार्टी तथा गठबंधन होने से 2018 जैसी एकतरफ़ा एवं दो तिहाई बहुमत परिणाम को कड़ी चुनौती जरूर मिल रही लेकिन इन तमाम समीकरणों के बाद मोदी का चेहरा और कल्याणकारी योजनाएं 70% से अधिक आबादी वाले SC/ST क्षेत्रों में भाजपा असम की तरह त्रिपुरा में वर्चस्व बना सकती है। मुस्लिम महिलाओं में भी भाजपा का समर्थन दिखाई दे रहा है।

तृणमूल कांग्रेस

TMC पश्चिम बंगाल में 3 दशक से काबिज वाम पंथियों को उखाड़ फेकने वाली लगातार तीन बार विधानसभा का चुनाव जीतने वाली ममता बनर्जी त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य में सीपीएम का विकल्प नहीं बन गयी। 2018 में भाजपा सीपीएम का विकल्प बनी और 28 वर्षों से लगातार जमे सीपीएम को सत्ता से उखाड़ फेखा। 2023 में ममता बनर्जी त्रिपुरा में 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और 12 सीटों पर लड़ाई को त्रिकोणात्मक बना दिया है।

2018 की एसटी सीट का परिणाम

S.N.	Constituency	Winner	Party	Votes	%	Runner-up	Party	Votes	%	LM Votes	LM Votes %
1	Simna (ST)	Brishaketu Debbarma	IPFT	15,977	48.90%	Pranab Debbarma	CPI (M)	14,014	42.90%	1,963	6.00%
2	Mandaibazar (ST)	Dhirendra Debbarma	IPFT	21,381	53.35%	Monoranjan Debbarma	CPI (M)	15,517	38.72%	5,864	14.63%
3	Takarjala (ST)	Narendra Chandra Debbarma	IPFT	22,056	63.35%	Ramendra Debbarma	CPI (M)	9,404	27.01%	12,652	36.34%
4	Golaghati (ST)	Birendra Kishore Debbarma	BJP	19,228	53.63%	Keshab Debbarma	CPI (M)	15,730	43.87%	3,498	9.76%
5	Charilam (ST)	Jishnu Deb Burman	BJP	26,580	89.34%	Palash Debbarma	CPI (M)	1,030	3.46%	25,550	85.88%
6	Ramchandraghat (ST)	Prasanta Debbarma	IPFT	19,439	54.54%	Padma Kumar Debbarma	CPI (M)	15,204	42.66%	4,235	11.88%
7	Asharambari (ST)	Mevar Kumar Jamatia	IPFT	19,188	58.33%	Aghore Debbarma	CPI (M)	12,201	37.09%	6,987	21.24%
8	Krishnapur (ST)	Atul Debbarma	BJP	16,730	52.16%	Khagendra Jamatia	CPI (M)	14,735	45.94%	1,995	6.22%
9	Bagma (ST)	Rampada Jamatia	BJP	24,074	51.87%	Naresh Chandra Jamatia	CPI (M)	21,241	45.77%	2,833	6.10%
10	Santirbazar (ST)	Pramod Reang	BJP	21,701	51.90%	Manindra Reang	CPI	19,352	46.28%	2,349	5.62%
11	Jolaibari (ST)	Jashabir Tripura	CPI (M)	21,160	50.54%	Ankya Mog Choudhuri	BJP	19,592	46.80%	1,568	3.74%
12	Manu (ST)	Pravat Chowdhury	CPI (M)	19,432	48.61%	Dhananjoy Tripura	IPFT	19,239	48.13%	193	0.48%
13	Ampinagar (ST)	Sindhu Chandra Jamatia	IPFT	18,202	54.44%	Daniel Jamatia	CPI (M)	13,255	39.65%	4,947	14.79%
14	Karbook (ST)	Burbu Mohan Tripura	BJP	15,622	49.57%	Priyamani Debbarma	CPI (M)	14,825	47.04%	797	2.53%
15	Raima Valley (ST)	Dhananjay Tripura	IPFT	18,673	47.96%	Lalit Mohan Tripura	CPI (M)	16,751	43.03%	1,922	4.93%
16	Ambassa (ST)	Parimal Debbarma	BJP	20,842	50.55%	Bharat Reang	CPI (M)	17,257	41.86%	3,585	8.69%
17	Karmachhara (ST)	Diba Chandra Hrangkhawl	BJP	19,397	56.18%	Umakanta Tripura	CPI (M)	12,061	34.93%	7,336	21.25%
18	Chawamanu (ST)	Shambhulal Chakma	BJP	18,290	53.00%	Nirajoy Tripura	CPI (M)	14,535	42.12%	3,755	10.88%
19	Pencharthal (ST)	Santana Chakma	BJP	17,743	50.16%	Anil Chakma	CPI (M)	16,370	46.27%	1,373	3.89%
20	Kanchanpur (ST)	Prem Kumar Reang	IPFT	19,448	53.02%	Rajendra Reang	CPI (M)	15,317	41.76%	4,131	11.26%

2018 की एससी सीट का परिणाम

S.N.	Constituency	Winner	Party	Votes	%	Runner-up	Party	Votes	%	LM Votes	LM Votes %
1	Bamutia (SC)	Krishnadhan Das	BJP	20,014	50.13%	Haricharan Sarkar	CPI (M)	19,042	47.70%	972	2.43%
2	Barjala (SC)	Dilip Kumar Das	BJP	22,052	56.54%	Jhumu Sarkar	CPI (M)	15,825	40.57%	6227	15.97%
3	Pratapgarh (SC)	Rebati Mohan Das	BJP	25,834	51.92%	Ramu Das	CPI (M)	22,686	45.59%	3148	6.33%
4	Badharghat (SC)	Dilip Sarkar	BJP	28,561	54.33%	Jharna Das(Baidya)	CPI (M)	23,113	43.97%	5448	10.36%
5	Nalchar (SC)	Subhash Chandra Das	BJP	19,261	49.52%	Tapan Chandra Das	CPI (M)	18,810	48.36%	451	1.16%
6	Kakraban-Salgarh (SC)	Ratan Bhowmik	CPI (M)	24,835	54.10%	Jitendra Majumder	BJP	21,068	45.90%	3767	8.20%
7	Rajnagar (SC)	Sudhan Das	CPI (M)	22,004	55.97%	Bibhishan Chandra Das	BJP	16,291	41.44%	5713	14.53%
8	Surma (SC)	Ashish Das	BJP	20,767	52.24%	Anjan Das	CPI (M)	18,057	45.43%	2710	6.81%
9	Pabiachhara (SC)	Bhagaban Das	BJP	22,815	55.62%	Samiran Malakar	CPI (M)	16,988	41.41%	5827	14.21%
10	Fatikroy (SC)	Sudhangshu Das	BJP	19,512	52.28%	Tunubala Malakar	CPI (M)	16,683	44.70%	2829	7.58%

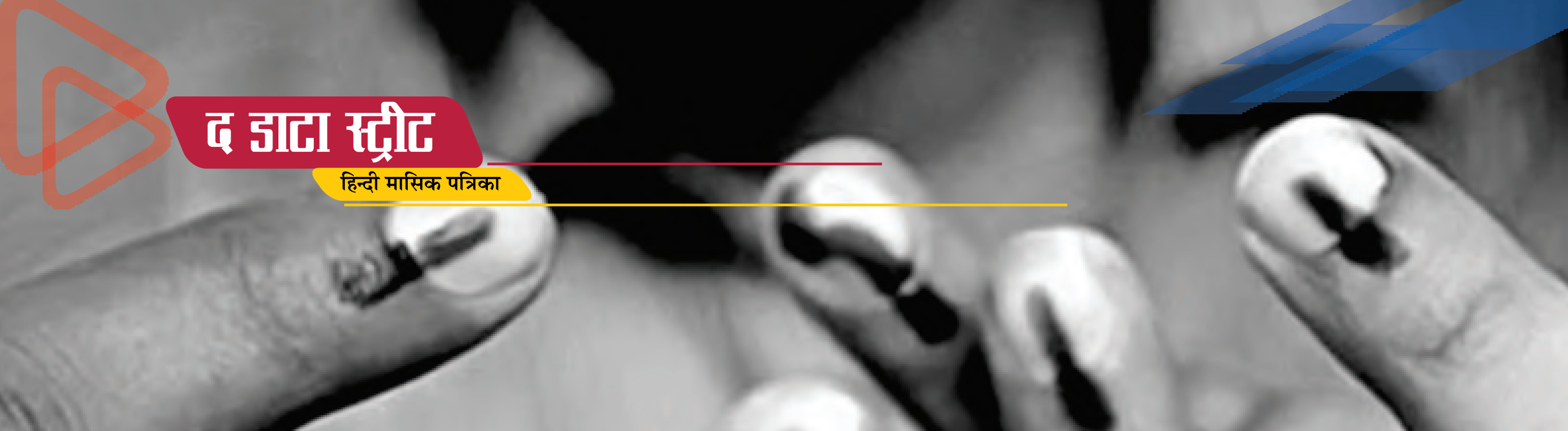

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव 2023 (एसटी सीट) के उम्मीदवार

CONSTITUENCY		NDA		SDF		TMP	
NO.	NAME	PARTY	CANDIDATE	PARTY	CANDIDATE	PARTY	CANDIDATE
1	Simna (ST)	BJP	Binod Debbarma	CPI(M)	Kumodh Debbarma	TMP	Brishaketu Debbarma
2	Mandaibazar (ST)	BJP	Tarit Debbarma	CPI(M)	Radhacharan Debbarma	TMP	Swapna Debbarma
3	Takarjala (ST)	IPFT	Bidhan Debbarma	CPI(M)	Shyamal Debbarma	TMP	Biswajit Kalai
4	Golaghati (ST)	BJP	Himani Debbarma	CPI(M)	Brinda Debbarma	TMP	Manav Debbarma
5	Charilam (ST)	BJP	Jishnu Deb Barman	INC	Ashok Debbarma	TMP	Subodh (Khatung) Debbarma
6	Ramchandraghat (ST)	IPFT	Prasanta Debbarma	CPI(M)	Ranjit Debbarma	TMP	Ranjit Debbarma
7	Asharambari (ST)	IPFT	Jayanti Debbarma	CPI(M)	Dilip Debbarma	TMP	Animesh Debbarma
8	Krishnapur (ST)	BJP	Bikash Debbarma	CPI(M)	Swasthi Debbarma	TMP	Mahendra Debbarma
9	Bagma (ST)	BJP	Ram Pada Jamatia	CPI(M)	Naresh Jamatia	TMP	Purna Chandra Jamatia
10	Santirbazar (ST)	BJP	Pramod Reang	CPI	Satyajit Reang	TMP	Harendra Reang
11	Jolaibari (ST)	IPFT	Shukla Charan Noatia	CPI(M)	Debendra Tripura	TMP	Gaurab (Shihanu) Mog
12	Manu (ST)	BJP	Mailaphru Mog	CPI(M)	Pravat Chowdhury	TMP	Dhananjoy Tripura
13	Ampinagar (ST)	BJP	Patal Kanya Jamatiya	CPI(M)	Parikshit Kalai	TMP	Pathan Lal Jamatia
14	Karbook (ST)	BJP	Ashim Tripura	CPI(M)	Priyamani Debbarma	TMP	Sanjay Manik Tripura
15	Raima Valley (ST)	BJP	Bikas Chakma	CPI(M)	Pabin Tripura	TMP	Nandita Debbarma Reang
16	Ambassa (ST)	BJP	Suchitra Debbarma	CPI(M)	Amalendu Debbarma	TMP	Chitta Ranjan Debbarma
17	Karmachhara (ST)	BJP	Brajalal Debnath	INC	Diba Chandra Hrangkhav	TMP	Paul Dangshu
18	Chawamanu (ST)	BJP	Sambhu Lal Chakma	CPI(M)	Jiban Mohan Tripura	TMP	Hongsa Kumar Tripura
19	Pencharthal (ST)	BJP	Santana Chakma	CPI(M)	Sadhan Kumar Chakma	TMP	Hollywood Chakma
20	Kanchanpur (ST)	IPFT	Prem Kumar Reang	CPI(M)	Rajendra	TMP	Phillip Kumar
CONSTITUENCY		NDA		SDF		TMP	
			Reang				Reang

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव 2023 (एससी सीट) के उम्मीदवार

CONSTITUENCY		NDA		SDF		TMP	
NO.	NAME	PARTY	CANDIDATE	PARTY	CANDIDATE	PARTY	CANDIDATE
3	Bamutia (SC)	BJP	Krishnadhan Das	CPI(M)	Nayan Sarkar	TMP	Nitai Sarkar
33	Kakraban-Salgarh (SC	BJP	Jitendra Majumdar	CPI(M)	Ratan Kumar Bhowmik	TMP	Kshir Mohan Das
34	Rajnagar (SC)	BJP	Swapna Majumdar	CPI(M)	Sudhan Das	TMP	Abhijit Malakar
46	Surma (SC)	BJP	Swapna Das Paul	CPI(M)	Anjan Das	TMP	Shyamal Sarkar
50	Pabiachhara (SC)	BJP	Bhagaban Chandra Das	INC	Satyaban Das	TMP	Gobinda Das
51	Fatikroy (SC)	BJP	Sudhangshu Das	CPI(M)	Subrata Das	TMP	Bilas Malakar

2013 त्रिपुरा विधानसभा चुनाव परिणाम (संक्षिप्त)

PARTIES AND COALITIONS	POPULAR VOTE			SEATS	
	Votes	%	±pp	Won	+/-
Communist Party of India (Marxist) (CPM)	1,059,327	48.11	▲ 0.10	49	▲ 3
Indian National Congress (INC)	804,457	36.53	▲ 0.15	10	–
Communist Party of India (CPI)	34,500	1.57	▲ 0.09	1	–
Indigenous Nationalist Party of Twipra (INPT)	167,078	7.59	▲ 1.38	0	▼ 1
Revolutionary Socialist Party (RSP)	31,717	1.95	▲ 0.26	0	▼ 2
Bharatiya Janata Party (BJP)	33,808	1.54	▲ 0.05	0	–
Independents (IND)	21,126	0.96	▼ 2.28	0	–
Others	50,052	1.75	▲ 0.25	0	–
Total	2,202,065	100.00		60	±0

2018 त्रिपुरा विधानसभा चुनाव परिणाम (संक्षिप्त)

PARTIES AND COALITIONS	POPULAR VOTE		SEATS	
	Votes	%	Contested	Won
Bharatiya Janata Party	10,25,673	43.59%	51	36
Communist Party of India (Marxist)	9,93,605	42.22%	57	16
Indigenous Peoples Front of Tripura	1,73,603	7.38%	9	8
Indian National Congress	42,100	1.79%	59	0
Communist Party of India	19,352	0.82%	1	0

2018 त्रिपुरा विधानसभा चुनाव परिणाम

No.	Constituency	Winner	Party	Votes	%	Runner-up	Party	Votes	%
1	Simna (ST)	Brishaketu Debbarma	IPFT	15,977	48.9%	Pranab Debbarma	CPI (M)	14,014	42.9%
2	Mohanpur	Ratan Lal Nath	BJP	22,516	55.53%	Subhas Chandra Debnath	CPI (M)	17,340	42.77%
3	Bamutia (SC)	Krishnadhan Das	BJP	20,014	50.13%	Haricharan Sarkar	CPI (M)	19,042	47.70
4	Barjala (SC)	Dilip Kumar Das	BJP	22,052	56.54%	Jhumu Sarkar	CPI (M)	15,825	40.57%
5	Khayerpur	Ratan Chakraborty	BJP	25,496	57.07%	Pabitra Kar	CPI (M)	18,457	41.31%
6	Agartala	Sudip Roy Barman	BJP	25,234	57.03%	Krishna Majumder	CPI (M)	17,852	40.34%
7	Ramnagar	Surajit Datta	BJP	21,092	55.14%	Ratan Das	CPI (M)	16,237	42.45%
8	Town Bordowali	Asish Kumar Saha	BJP	24,293	62.43%	Biswanath Saha	AIFB	13,115	33.70%
9	Banamalipur	Biplab Kumar Deb	BJP	21,755	61.87%	Amal Chakraborty	CPI (M)	12,206	34.71%
10	Majlishpur	Sushanta Chowdhury	BJP	23,249	53.92%	Manik Dey	CPI (M)	19,359	44.90%
11	Mandaibazar (ST)	Dhirendra Debbarma	IPFT	21,381	53.35%	Monoranjan Debbarma	CPI (M)	15,517	38.72%
12	Takarjala (ST)	Narendra Chandra Debbarma	IPFT	22,056	63.35%	Ramendra Debbarma	CPI (M)	9,404	27.01%
13	Pratapgarh (SC)	Rebati Mohan Das	BJP	25,834	51.92%	Ramu Das	CPI (M)	22,686	45.59%
14	Badharghat (SC)	Dilip Sarkar	BJP	28,561	54.33%	Jharna Das(Baidya)	CPI (M)	23,113	43.97%
15	Kamalasagar	Narayan Chandra Choudhury	CPI (M)	18,847	51.19%	Arun Bhowmik	BJP	16,968	46.09%
16	Bishalgarh	Bhanu Lal Saha	CPI (M)	21,254	49.66%	Nitai Chaudhuri	BJP	20,488	47.87%
17	Golaghati (ST)	Birendra Kishore Debbarma	BJP	19,228	53.63%	Keshab Debbarma	CPI (M)	15,730	43.87%
18	Suryamaninagar	Ram Prasad Paul	BJP	24,874	53.80%	Rajkumar Choudhury	CPI (M)	20,307	43.92%
19	Charilam (ST)	Jishnu Deb Burman	BJP	26,580		Palash Debbarma	CPI (M)	1,030	
20	Boxanagar	Sahid Choudhury	CPI (M)	19,862	58.53%	Baharul Islam Majumder	BJP	11,847	34.91%

No.	Constituency	Winner	Party	Votes	%	Runner-up	Party	Votes	%
21	Nalchar (SC)	Subhash Chandra Das	BJP	19,261	49.52%	Tapan Chandra Das	CPI (M)	18,810	48.36%
22	Sonamura	Shyamal Chakraborty	CPI (M)	19,275	52.88%	Subal Bhowmik	BJP	15,843	43.46%
23	Dhanpur	Manik Sarkar	CPI (M)	22,176	55.25%	Pratima Bhoumik	BJP	16,735	41.70%
24	Ramchandraghat (ST)	Prasanta Debbarma	IPFT	19,439	54.54%	Padma Kumar Debbarma	CPI (M)	15,204	42.66%
25	Khowai	Nirmal Biswas	CPI (M)	20,629	52.81%	Amit Rakshit	BJP	17,893	45.81%
26	Asharambari (ST)	Mevar Kumar Jamatia	IPFT	19,188	58.33%	Aghore Debbarma	CPI (M)	12,201	37.09%
27	Kalyanpur-Pramodenagar	Pinaki Das Choudhuri	BJP	20,293	52.98%	Manindra Chandra Das	CPI (M)	17,152	44.78%
28	Teliamura	Kalyani Roy	BJP	22,077	57.83%	Gouri Das	CPI (M)	14,898	39.03%
29	Krishnapur (ST)	Atul Debbarma	BJP	16,730	52.16%	Khagendra Jamatia	CPI (M)	14,735	45.94%
30	Bagma (ST)	Rampada Jamatia	BJP	24,074	51.87%	Naresh Chandra Jamatia	CPI (M)	21,241	45.77%
31	Radhakishorpur	Pranjit Singha Roy	BJP	22,414	54.34%	Srikanta Datta	RSP	17,568	42.59%
32	Matarbari	Biplab Kumar Ghosh	BJP	23069	50.16%	Madhab Chandra Saha	CPI (M)	21500	46.75%
33	Kakraban-Salgarh (SC)	Ratan Bhowmik	CPI (M)	24,835	54.10%	Jitendra Majumder	BJP	21,068	45.90%
34	Rajnagar (SC)	Sudhan Das	CPI (M)	22,004	55.97%	Bibhishan Chandra Das	BJP	16,291	41.44%
35	Belonia	Arun Chandra Bhowmik	BJP	19,307	49.68%	Basudev Majumder	CPI (M)	18,554	47.74%
36	Santirbazar (ST)	Pramod Reang	BJP	21,701	51.90%	Manindra Reang	CPI	19,352	46.28%
37	Hrishyamukh	Badal Choudhury	CPI (M)	22,673	56.87%	Ashesh Baidya	BJP	16,343	40.99%
38	Jolaibari (ST)	Jashabir Tripura	CPI (M)	21,160	50.54%	Ankya Mog Choudhuri	BJP	19,592	46.80%
39	Manu (ST)	Pravat Chowdhury	CPI (M)	19,432	48.61%	Dhananjoy Tripura	IPFT	19,239	48.13%
40	Sabroom	Sankar Roy	BJP	21,059	51.67%	Rita Kar Majumder	CPI (M)	18,877	46.31%
41	Ampinagar (ST)	Sindhu Chandra Jamatia	IPFT	18,202	54.44%	Daniel Jamatia	CPI (M)	13,255	39.65%
42	Amarpur	Ranjit Das	BJP	18,970	50.12%	Parimal Debnath	CPI (M)	17,954	47.44%
43	Karbook (ST)	Burbu Mohan Tripura	BJP	15,622	49.57%	Priyamani Debbarma	CPI (M)	14,825	47.04%
44	Raima Valley (ST)	Dhananjay Tripura	IPFT	18,673	47.96%	Lalit Mohan Tripura	CPI (M)	16,751	43.03%
45	Kamalpur	Manoj Kanti Deb	BJP	20,165	52.49%	Bijoy Laxmi Singha	CPI (M)	17,206	44.79%
46	Surma (SC)	Ashish Das	BJP	20,767	52.24%	Anjan Das	CPI (M)	18,057	45.43%
47	Ambassa (ST)	Parimal Debbarma	BJP	20,842	50.55%	Bharat Reang	CPI (M)	17,257	41.86%
48	Karmachhara (ST)	Diba Chandra Hrangkhawl	BJP	19,397	56.18%	Umakanta Tripura	CPI (M)	12,061	34.93%
49	Chawamanu (ST)	Shambhulal Chakma	BJP	18,290	53.00%	Nirajoy Tripura	CPI (M)	14,535	42.12%
50	Pabiachhara (SC)	Bhagaban Das	BJP	22,815	55.62%	Samiran Malakar	CPI (M)	16,988	41.41%
51	Fatikroy (SC)	Sudhangshu Das	BJP	19,512	52.28%	Tunubala Malakar	CPI (M)	16,683	44.70%
52	Chandipur	Tapan Chakraborty	CPI (M)	18,545	48.41%	Kaberi Singha	BJP	18,143	47.36%
53	Kailashahar	Mabaswar Ali	CPI (M)	18,093	45.97%	Nitish De	BJP	13,259	33.69%
54	Kadamtala-Kurti	Islam Uddin	CPI (M)	20,721	57.34%	Tinku Roy	BJP	13,839	38.30%
55	Bagbassa	Bijita Nath	CPI (M)	18,001	48.75%	Pradip Kumar Nath	BJP	17,731	48.02%
56	Dharmanagar	Biswa Bandhu Sen	BJP	21,357	58.60%	Abhijit De	CPI (M)	14,070	38.61%
57	Jubarajnagar	Ramendra Chandra Debnath	CPI (M)	18,147	49.24%	Jadab Lal Debnath	BJP	17,498	47.48%
58	Panisagar	Binoy Bhushan Das	BJP	15,892	49.37%	Ajit Kumar Das	CPI (M)	15,331	47.63%
59	Pencharthal (ST)	Santana Chakma	BJP	17,743	50.16%	Anil Chakma	CPI (M)	16,370	46.27%
60	Kanchanpur (ST)	Prem Kumar Reang	IPFT	19,448	53.02%	Rajendra Reang	CPI (M)	15,317	41.76%

PARTIES AND ALLIANCES

NATIONAL DEMOCRATIC ALLIANCE

NO.	PARTY	LEADER	SEATS CONTESTED
1.	Bharatiya Janata Party	Manik Saha	55
2.	Indigenous Peoples Front of Tripura	Prem Kumar Reang	5

SECULAR DEMOCRATIC FORCES

NO.	PARTY	LEADER	SEATS CONTESTED
1.	Communist Party of India (Marxist)	Jitendra Chaudhury	43
2.	Indian National Congress	Sudip Roy Barman	13
3.	Communist Party of India	Yudhisthir Das	1
4.	Revolutionary Socialist Party	Dipak Deb	1
5.	All India Forward Bloc	Paresh Chandra Sarkar	1
6.	Independent	Purushuttam Roy Barman	1

TIPRA MOTHA PARTY

NO.	PARTY	LEADER	SEATS CONTESTED
1.	Tipra Motha Party	Pradyot Bikram Manikya Deb Barma	42

OTHERS

NO.	PARTY	LEADER	SEATS CONTESTED
1.	All India Trinamool Congress	Pijush Kanti Biswas	28
2.	Communist Party of India (Marxist-Leninist) Liberation	Partha Karmakar	1
3.	Socialist Unity Centre of India (Communist)	Arun Bhowmik	5

विधानसभा चुनाव 2023 के प्रत्याशी

District	No.	Name	Party	Candidate	Party	Candidate	Party	Candidate
West Tripura	1	Simna (ST)	BJP	Binod Debbarma	CPI(M)	Kumodh Debbarma	TMP	Brishaketu Debbarma
	2	Mohanpur	BJP	Ratan Lal Nath	INC	Prasanta Sen Chowdhury	TMP	Tapas Dey
	3	Bamutia (SC)	BJP	Krishnadhan Das	CPI(M)	Nayan Sarkar	TMP	Nitai Sarkar
	4	Barjala (SC)	BJP	Dilip Kumar Das	CPI(M)	Sudip Sarkar		
	5	Khayerpur	BJP	Ratan Chakraborty	CPI(M)	Pabitra Kar		
	6	Agartala	BJP	Papiya Datta	INC	Sudip Roy Barman		
	7	Ramnagar	BJP	Surajit Datta	Independent	Purushuttam Roy Barman		
	8	Town Bordowali	BJP	Manik Saha	INC	Ashish Kumar Saha		
	9	Banamalipur	BJP	Rajib Bhattacharjee	INC	Gopal Roy		
	10	Majlishpur	BJP	Sushanta Chowdhury	CPI(M)	Sanjoy Das	TMP	Samir Basu
	11	Mandaibazar (ST)	BJP	Tarit Debbarma	CPI(M)	Radhacharan Debbarma	TMP	Swapna Debbarma
Sipahijala	12	Takarjala (ST)	IPFT	Bidhan Debbarma	CPI(M)	Shyamal Debbarma	TMP	Biswajit Kalai
West Tripura	13	Pratapgarh (SC)	BJP	Rebati Mohan Das	CPI(M)	Ramu Das		
	14	Badharghat (SC)	BJP	Minarani Sarkar	AIFB	Partha Ranjan Sarkar		
Sipahijala	15	Kamalasagar	BJP	Antara Sarkar Deb	CPI(M)	Hiranmoy Narayan Debnath	TMP	Ashish Das
	16	Bishalgarh	BJP	Sushanta Deb	CPI(M)	Partha Pratim Majumder	TMP	Md Shah Alam Miah
	17	Golaghati (ST)	BJP	Himani Debbarma	CPI(M)	Brinda Debbarma	TMP	Manav Debbarma
West Tripura	18	Suryamaninagar	BJP	Ram Prasad Paul	INC	Susanta Chakraborty		
Sipahijala	19	Charilam (ST)	BJP	Jishnu Deb Barman	INC	Ashok Debbarma	TMP	Subodh (Khatung)
Debbarma	20	Boxanagar	BJP	Taffajal Hossain	CPI(M)	Samsul Haque	TMP	Abu Khayer Miah
	21	Nalchar (SC)	BJP	Kishor Barman	CPI(M)	Tapan Das		
	22	Sonamura	BJP	Debabrata Bhattacharjee	CPI(M)	Shyamal Chakraborty		
	23	Dhanpur	BJP	Pratima Bhoumik	CPI(M)	Koushik Chanda	TMP	Amiya Noatia
Khowai	24	Ramchandraghat (ST)	IPFT	Prasanta Debbarma	CPI(M)	Ranjit Debbarma	TMP	Ranjit Debbarma
	25	Khowai	BJP	Subrata Majumdar	CPI(M)	Nirmal Biswas		
	26	Asharambari (ST)	IPFT	Jayanti Debbarma	CPI(M)	Dilip Debbarma	TMP	Animesh Debbarma
	27	Kalyanpur-Pramodenagar	BJP	Pinaki Das Chowdhury	CPI(M)	Manindra Das	TMP	Manihar Debbarma
	28	Teliamura	BJP	Kalyani Roy	INC	Ashok Kumar Baidya	TMP	Abhijit Sarkar
	29	Krishnapur (ST)	BJP	Bikash Debbarma	CPI(M)	Swasthi Debbarma	TMP	Mahendra Debbarma

District	No.	Name	Party	Candidate	Party	Candidate	Party	Candidate
Gomati	30	Bagma (ST)	BJP	Ram Pada Jamatia	CPI(M)	Naresh Jamatia	TMP	Purna Chandra Jamatia
	31	Radhakishorpur	BJP	Pranjit Singha Roy	RSP	Srikanta Datta		
	32	Matarbari	BJP	Abhishek Debroy	INC	Pranajit Roy	TMP	Bir Noatia
	33	Kakraban-Salgarh (SC)	BJP	Jitendra Majumdar	CPI(M)	Ratan Kumar Bhowmik	TMP	Kshir Mohan Das
South Tripura	34	Rajnagar (SC)	BJP	Swapna Majumdar	CPI(M)	Sudhan Das	TMP	Abhijit Malakar
	35	Belonia	BJP	Gautam Sarkar	CPI(M)	Dipankar Sen		
	36	Santirbazar (ST)	BJP	Pramod Reang	CPI	Satyajit Reang	TMP	Harendra Reang
	37	Hrishyamukh	BJP	Dipayan Chowdhury	CPI(M)	Ashok Mitra	TMP	Arup Deb
	38	Jolaibari (ST)	IPFT	Shukla Charan Noatia	CPI(M)	Debendra Tripura	TMP	Gaurab (Shihanu) Mog
	39	Manu (ST)	BJP	Mailaphru Mog	CPI(M)	Pravat Chowdhury	TMP	Dhananjoy Tripura
	40	Sabroom	BJP	Sankar Roy	CPI(M)	Jitendra Chaudhury		
Gomati	41	Ampinagar (ST)	BJP	Patal Kanya Jamatiya	CPI(M)	Parikshit Kalai	TMP	Pathan Lal Jamatia
	42	Amarpur	BJP	Ranjit Das	CPI(M)	Parimal Debnath	TMP	Ashi Ram Reang
	43	Karbook (ST)	BJP	Ashim Tripura	CPI(M)	Priyamani Debbarma	TMP	Sanjay Manik Tripura
Dhalai	44	Raima Valley (ST)	BJP	Bikas Chakma	CPI(M)	Pabin Tripura	TMP	Nandita Debbarma Reang
	45	Kamalpur	BJP	Manoj Kanti Deb	INC	Rubi Ghosh	TMP	Meri Debbarma
	46	Surma (SC)	BJP	Swapna Das Paul	CPI(M)	Anjan Das	TMP	Shyamal Sarkar
	47	Ambassa (ST)	BJP	Suchitra Debbarma	CPI(M)	Amalendu Debbarma	TMP	Chitta Ranjan Debbarma
	48	Karmachhara (ST)	BJP	Brajalal Debnath	INC	Diba Chandra Hrangkhawl	TMP	Paul Dangshu
	49	Chawamanu (ST)	BJP	Sambhu Lal Chakma	CPI(M)	Jiban Mohan Tripura	TMP	Hongsa Kumar Tripura
Unakoti	50	Pabiachhara (SC)	BJP	Bhagaban Chandra Das	INC	Satyaban Das	TMP	Gobinda Das
	51	Fatikroy (SC)	BJP	Sudhangshu Das	CPI(M)	Subrata Das	TMP	Bilas Malakar
	52	Chandipur	BJP	Tinku Roy	CPI(M)	Krishnendu Chowdhury	TMP	Ranjan Sinha
	53	Kailashahar	BJP	Moboshar Ali	INC	Birajit Sinha		
North Tripura	54	Kadamtala-Kurti	BJP	Dilip Tanti	CPI(M)	Islam Uddin		
	55	Bagbassa	BJP	Jadab Lal Nath	CPI(M)	Bijita Nath	TMP	Kalpana Sinha
	56	Dharmanagar	BJP	Biswa Bandhu Sen	INC	Chayan Bhattacharya		
	57	Jubarajnagar	BJP	Malina Debnath	CPI(M)	Shailendra Chandra Debnath		
	58	Panisagar	BJP	Binay Bhushan Das	CPI(M)	Shital Das	TMP	Joy Chung Halam
	59	Pencharthal (ST)	BJP	Santana Chakma	CPI(M)	Sadhan Kumar Chakma	TMP	Hollywood Chakma
	60	Kanchanpur (ST)	IPFT	Prem Kumar Reang	CPI(M)	Rajendra Reang	TMP	Phillip Kumar Reang

M/s. Chauhan Pen Center

Deals in: All kind of Stationery & Govt. General order Supplier

JITENDER KUMAR SINGH : 9335244977

53- Gwynne Road, Aminabad, Lucknow 226018

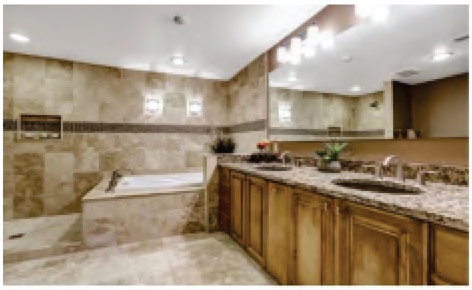

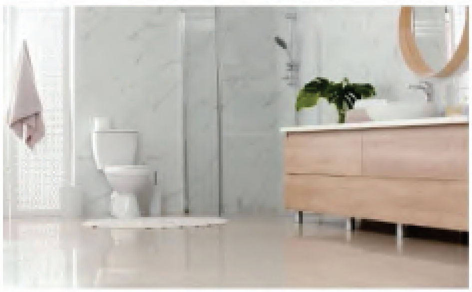

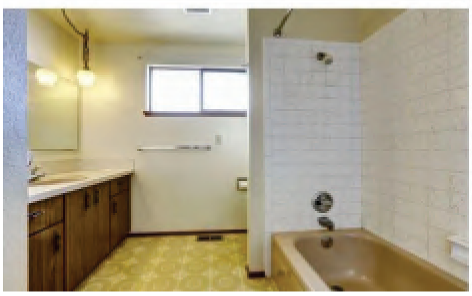

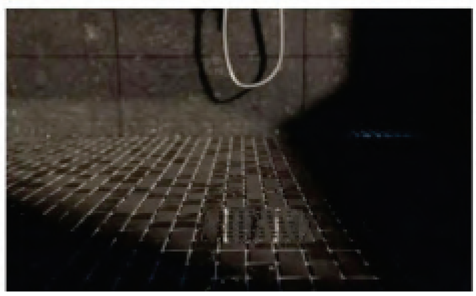

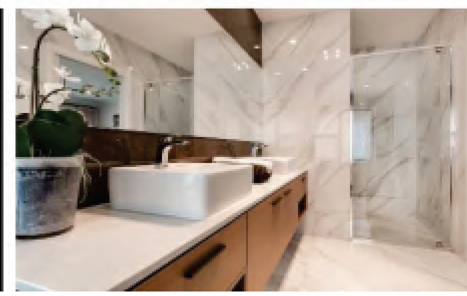

VMT

Vaishno Marble & Traders

Deals in: All types of Marble, Granite Kota, Tiles etc.

Mobile: 9415034158, 9369106489